RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 78 ● भिलाई, बुधवार 24 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

गुजरात के पोरबंदर में चावल और चीनी से लदे मालवाहक जहाज में भीषण आग लगी

अहमदाबाद। गुजरात के पोरबंदर में चावल और चीनी से लदे मालवाहक जहाज में भीषण आग लग गई। घटना के समय जहाज रबंदर सुभाष नगर जेट्टी पर लंगर डाले खड़ा था। आग की सूचना मिलते ही बचाव दल के साथ दमकल की 3 गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गईं। आगे की सहायता के लिए एम्बुलेंस और स्थानीय पुलिस भी पहुंच गई हैं। जहाज जामनगर स्थित एचआरएम एंड संस का बताया जा रहा है। घटना के समय जहाज समुद्र तट था, लेकिन चावल लदे होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया, जिसके बाद उसे समुद्र के बीच में ले जाया गया। घटना के समय जहाज गुजरात से सोमालिया के बोसासो जा रहा था। भीषण आग लगे जहाज का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। जून में ओमान के तट पर भी एक जहाज में भी भीषण आग लगी थी, जिसके बाद भारतीय नौसेना के आईएनएस तबर ने बचाव कार्य किया था।

तिहाड़ जेल से अफजल गुरु और मकबूल भट्ट की कब्रें हटाने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर मांग की गई है कि तिहाड़ जेल में मौजूद आतंकियों अफजल गुरु और मकबूल भट्ट के कब्रों को हटाया जाए. याचिका विश्व वैदिक सनातन संघ नामक संस्था ने दायर किया है. याचिका में मांग की गई है कि तिहाड़ जेल में बनी अफजल गुरु और मकबूल भट्ट की कब्रे हटाई जाएं. याचिका में कहा गया है कि जेल परिसर में इन कब्रों का मौजूद होना और उनका बनाए रखना अवैध और असंवैधानिक है. याचिका में कहा गया है कि इन कब्रों के होने से तिहाड़ जेल कथित तौर पर कट्टरपंथी तीर्थ स्थल बन गया है. याचिका में कहा गया है कि यह दिल्ली प्रिजन रुल्स के प्रावधानों के खिलाफ है. दिल्ली प्रिजन रुल्स के मुताबिक फांसी की सजा पाए कैदियों के शवों का निपटारा इस प्रकार से करना है कि किसी भी तरह से आतंकवाद का महिमामंडन हो और जेल में अनुशासन बना रहे. तिहाड़ जेल में कुछ लोग इन कट्टरपंथी आतंकियों की कब्रों की इबादत करने के लिए एकत्र होते हैं.

अडानी समूह को सेबी की क्लीन चिट

नई दिल्ली। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने हाल ही में सेबी से क्लीन चिट मिलने के बाद एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। सेबी ने जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की थी और अब इन आरोपों को खारिज कर दिया है। गौतम अडानी ने कहा, आज मुझे गर्व है कि दो साल से ज़्यादा समय से जो हमारे ऊपर मंडरा रहा था, वह हट गया है। यह परिणाम न केवल अडानी समूह का है, बल्कि व्यक्तिगत रूप से आप सभी का भी है जो हमारे साथ खड़े रहे, और इस समर्थन के लिए मैं तहे दिल से आभारी हूँ। सेबी की जांच में पाया गया कि अडानी समूह ने किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या अंदरूनी व्यापार नहीं किया था। जांच के दौरान जिन लेन-देनों की समीक्षा की गई।

कोलकाता में भारी बारिश से तबाही

सात की मौत, मेट्रो-रेल सेवाएं प्रभावित, दो दिन अलर्ट जारी

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता और इसके आसपास के क्षेत्रों में सोमवार देर रात से जारी मूसलाधार बारिश की वजह से मंगलवार को आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। दूसरी तरफ अधिकारियों ने बताया कि वर्षा जनित घटनाओं के चलते सात लोगों की मौत हो गई। यह सातों लोग वर्षा के दौरान करंट की चपेट में आ गए। अब तक जिन लोगों की जान गई है उनमें तीन की पहचान हो चुकी है। इनमें एक बेनियाकपुर के रहने वाले फिरोज अली खान (50), नेताजी नगर के प्रणतोष कुंडु (62) और इकबालपुल की मुमताज बीबी (70) शामिल हैं। इसके अलावा गरियाहट में एक और व्यक्ति की जान गई, जिसकी पहचान नहीं की जा सकी है। इसके अलावा तीन और की पहचान होना बाकी है। कोलकाता पुलिस ने बताया कि इनमें से एक व्यक्ति सुबह सवा पांच बजे अपने घर से निकला था। हुसैन शाह रोड पर वह करंट की चपेट में आ गया। उसे एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोलकाता के मेयर और शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम ने बताया कि फिलहाल शहर में करंट लगने से चार की मौत की खबर है। उन्होंने कहा कि अभी कोलकाता के ज्यादातर इलाकों में पानी भरा है और महानगरपालिका के कर्मी लगातार पानी निकालने की कोशिश में जुटे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मूसलाधार बारिश को अभूतपूर्व करार दिया। उन्होंने फरक्का बैराज की खराब ड्रेजिंग और निजी बिजली कंपनी सीईएससी की खामियों की कड़ी आलोचना की। साथ ही उन्होंने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए घरों के अंदर रहने की अपील की। ममता ने कहा, मैंने ऐसी बारिश पहले कभी नहीं देखी। मुझे इस घटना में जान गंवाने वालों के लिए बहुत दुख हो रहा है। मैंने सुना है कि खुले या बेपरवाह तारों से करंट लगने से 7-8 लोगों की मौत हो गई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सीईएससी को उनके परिवारों को नौकरी देनी चाहिए। मैं यह स्पष्ट रूप से कह रही हूं। हम भी हरसंभव मदद करेंगे। सीईएससी को घेरते हुए उन्होंने कहा, बिजली सीईएससी द्वारा आपूर्ति की जाती है, हमारे द्वारा नहीं। यह सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है कि लोगों को इससे परेशानी न हो। वे यहां व्यापार करेंगे, लेकिन आधुनिकीकरण नहीं करेंगे? उन्हें लोगों को मैदान में भेजकर इसे ठीक करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, यहां तक कि हमारे घर भी जलमग्न हो गए हैं; हम सभी कष्ट में हैं। मुझे पूजा पंडालों के लिए भी बहुत बुरा लग रहा है। स्कूलों को छुट्टियां घोषित करने को कहा गया है और दफ्तर जाने वालों को आज और कल घर पर रहने की सलाह दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वह महापौर, मुख्य सचिव और पुलिस के लगातार संपर्क में हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को कोलकाता में भारी मूसलाधार बारिश ने हवाई यात्रा को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके कारण कम से कम 30 उड़ानें रद्द कर दी गईं और कई उड़ानों को देरी का सामना करना पड़ा है। भारी बारिश से हजारों यात्री फंस गए और परिवहन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

गरिया और जोधपुर पार्क में रिकॉर्ड बारिश

कोलकाता नगर निगम के अनुसार गरिया कामदहारी इलाके में 332 मिमी रिकॉर्ड बारिश हुई है। इसी तरह जोधपुर पार्क में 285 मिमी बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण बारिश का दौर अभी थमने वाला नहीं है। बारिश के चलते कोलकाता मेट्रो की ब्लू लाइन पर सेवाएं प्रभावित हैं। महानायक उत्तम कुमार से रवींद्र सरोबर स्टेशन के बीच जलभराव है, जिस कारण शहीद खुदीराम से मैदान स्टेशन तक सेवाएं पूरी तरह स्थगित कर दी गई हैं।

स्कूलों में छुट्टियां सड़कें बनीं झील

बारिश के कारण स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। सोशल मीडिया पर सड़कों और रिहायशी इलाकों में भरे पानी की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। दुर्गा पूजा से कुछ ही दिन पहले आई इस बारिश ने प्रशासन की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले दो दिन भारी बारिश की आशंका जताई है। बताया कि पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना, झारग्राम और बांकुरा जिलों में 24 सितंबर तक तेज बरसात हो सकती है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

भारत की पहली विदेशी डिफेंस यूनिट शुरू

मेक इन इंडिया के साथ मेक फॉर वर्ल्ड पर कर रहे काम..

रबात/ एजेंसी

भारत ने रक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए मोरक्को के बेररेशिद में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड की पहली विदेशी रक्षा निर्माण इकाई का उद्घाटन किया है। यह भारत का रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में पहला ओवरसीज प्लांट है। इस सुविधा को औपचारिक रूप से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मोरक्को दौरे के दौरान शुरू किया। राजनाथ सिंह ने उद्घाटन समारोह में कहा कि भारत सिर्फ मेक इन इंडिया तक सीमित नहीं है। अब हम मेक विद फ्रेंड्स और मेक फॉर द वर्ल्ड के विजन पर काम कर रहे हैं।

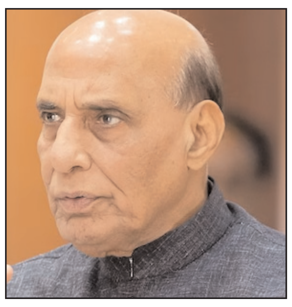

इसका उद्देश्य विश्वसनीय साझेदारों के साथ मिलकर अत्याधुनिक तकनीक का विकास करना और वैश्विक शांति व क्षमता निर्माण में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी संप्रभुता का सम्मान करती है और स्थानीय क्षमता को मजबूत करती है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स मोरक्को को खासतौर पर व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म्स के उत्पादन पर केंद्रित किया गया है। यह भारत का पहला ओवरसीज डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारत के रक्षा निर्यात को नई दिशा देगा और अफ्रीका समेत वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। यह दौरा ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि यह पहली बार है जब कोई भारतीय रक्षा मंत्री उत्तरी अफ्रीका के इस देश का दौरा कर रहा है। राजनाथ सिंह की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिलने की उम्मीद है।

बिहार में छठ पूजा के बाद होंगे विधानसभा चुनाव, मुख्य चुनाव आयुक्त दौरा 30 सितंबर को

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 30 सितंबर को पटना पहुंचेंगे। इस दौरान उनके साथ अन्य चुनाव आयुक्त भी होंगे। इसी बीच चुनाव आयोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की अंतिम सूची भी जारी कर देगा, जिस पर अभी काम चल रहा है। बिहार में दौरा और तैयारियों का जायजा लेने के एक से दो दिन बाद चुनाव की घोषणा हो सकती है। इस बार दिवाली और छठ पूजा 18 अक्टूबर से लेकर 28 अक्टूबर के बीच होगी।

रेखा गुप्ता का केजरीवाल पर करारा वार

मेरी रील्स देखना बंद करो पंजाब पर ध्यान दो-रेखा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए उनसे उनकी रीलें देखना बंद करने को कहा। यह बात उन्होंने एक दिन पहले ही साझा की थी, जब केजरीवाल ने भाजपा नेता का एक संपादित वीडियो साझा किया था, जिसमें वह चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में हेराफेरी के कांग्रेस के आरोपों पर बोल रहे थे। एक बहु-स्तरीय इलेक्ट्रिक बस डिपो की आधारशिला रखने के बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि

केजरीवाल को बाढ़ प्रभावित पंजाब के लोगों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जहाँ उनकी पार्टी, आम आदमी पार्टी (आप), सत्ता में है। गुप्ता ने हिंदी में कहा कि मैं केजरीवाल सर से कहना चाहती हूँ कि कृपया मेरे वीडियो, इंटरव्यू और रील देखना कम कर दीजिए।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में कार्रवाई

सत्येंद्र जैन से जुड़ी कंपनियों की 7.44 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन से जुड़ी कंपनियों की संपत्तियां अटैच की हैं। अटैच की गई संपत्तियों की कुल कीमत लगभग 7.44 करोड़ बताई जा रही है। ईडी ने सत्येंद्र कुमार जैन, पूनम जैन (सत्येंद्र कुमार जैन की पत्नी) और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर धन शोधन की जांच शुरू की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि सत्येंद्र कुमार जैन ने दिल्ली सरकार में मंत्री के रूप में पदस्थ और कार्यरत रहते हुए

14.02.2015 से 31.05.2017 की अवधि के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित की थी। सीबीआई ने 03.12.2018 को सत्येंद्र कुमार जैन, पूनम जैन और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इसके परिणाम स्वरूप, ईडी ने 31.03.2022 को सत्येंद्र कुमार जैन के स्वामित्व और नियंत्रण वाली कंपनियों से संबंधित 4.81 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया था। इसके बाद 27.07.2022 को अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की गई। न्यायालय ने 29.07.2022 को पीसी का संज्ञान लिया। ईडी द्वारा जांच के दौरान, यह भी पता चला है कि नवंबर 2016 में, विमुद्रीकरण के तुरंत बाद, सत्येंद्र कुमार जैन के करीबी सहयोगी और बेनामी अंकुश जैन और वैभव जैन ने आय प्रकटीकरण योजना , 2016 के तहत अग्रिम कर के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा, भोगल शाखा में 7.44 करोड़ रुपये नकद जमा किए।

एमपी-बिहार में नहीं थम रहा बारिश का दौर, पहाड़ी राज्यों में राहत

नईदिल्ली। देश के मैदानी राज्यों में भारी बारिश का दौर थम गया है। राजस्थान, पंजाब और गुजरात से मानसून की वापसी होने लगी है, लेकिन मध्य प्रदेश में लौटते मानसून के चलते बारिश हो रही है। दूसरी तरफ दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश थमने के बाद तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र समेत 20 राज्यों में बारिश का यलो और ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में नया सिस्टम सक्रिय होने से बारिश का दौर जारी है। यहां अगले 10 दिन तक बादल बरसेंगे और 30 सितंबर के बाद मानसून लौटने लगेगा।

नकदी मामले में समिति की मदद करेंगे दो वकील

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच तेज

नई दिल्ली/ एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच तेज हो गई है। नकदी मामले की जांच कर रही समिति की मदद के लिए दो वकीलों को नामित किया गया है। समिति की सहायता के लिए रोहन सिंह और समीक्षा दुआ को सलाहकार नियुक्त किया गया है। पिछले महीने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए राजनीतिक दलों का नोटिस स्वीकार किया था। 14 मार्च को वर्मा के सरकारी आवास पर नोटों

की जली हुई गड्डियां पाई गई थीं। लोकसभा अध्यक्ष ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य की एक समिति गठित की थी। अब समिति की मदद के लिए दो वकीलों की नियुक्ति की गई है। दोनों नियुक्तियां समिति के कार्यकाल के साथ या अगले आदेश तक जारी रहेंगी। इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने 7 अगस्त, 2025 को कहा था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने की सिफारिश करने वाली आंतरिक जांच प्रक्रिया को कानूनी मान्यता प्राप्त है। जस्टिस वर्मा के आवासीय परिसर में आग लगने के बाद जले हुए नोट मिले थे।

कोर्ट के फैसले से मिली बड़ी राहत

23 महीने बाद आखिरकार जेल से रिहा हुए सपा नेता आजम खान

नई दिल्ली/ एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और पूर्व लोकसभा सांसद आजम खान उत्तर प्रदेश की सीतापुर जेल से रिहा हो गए, जहाँ वे लगभग 23 महीने से बंद थे। उन्हें क्वालिटी बार भूमि अतिक्रमण मामले में जेल में रखा गया था। आजम खान का स्वागत करने आए सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनके सहयोगी और पूर्व लोकसभा सांसद आजम खान को झूठे मामलों में फँसाया गया है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए, यादव ने सीतापुर जेल में बंद आजम खान को ज़मानत देने के अदालत के फैसले का स्वागत किया। जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक रहे यादव ने कहा, आजम खान को सरकार ने झूठे मामलों में फँसाया था। हालाँकि, अदालत ने उन्हें ज़मानत दे दी है और उन्हें मामलों में राहत प्रदान की है। मैं इस फैसले का स्वागत करता हूँ। मैं सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय का स्वागत करता हूँ। उनके खिलाफ कई झूठे मामले दर्ज किए गए थे। समाजवादी पार्टी उनके साथ खड़ी है। यह पूछे जाने पर कि क्या खान बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल होंगे, यादव ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा, ये सब झूठ हैं। समाजवादी पार्टी पूरी तरह से उनके साथ है। खान को हाल ही में भूमि अतिक्रमण के एक मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से ज़मानत मिली है। इससे पहले, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री मोहम्मद आज़म खान को क्वालिटी बार

भूमि मामले में ज़मानत दे दी थी। एएनआई से बात करते हुए, आज़म खान के वकील मोहम्मद खालिद ने कहा कि इस ज़मानत के साथ, अब उन्हें जेल में रखने वाला कोई भी मामला लंबित नहीं है, जिससे संकेत मिलता है कि उनके जल्द ही रिहा होने की संभावना है। खालिद ने कहा, इसलिए, अब कोई भी ऐसा मामला लंबित नहीं है जिसके लिए उन्हें जेल में रखा जाए। आज तक, सभी मामलों में ज़मानत मिल चुकी है। इस प्रक्रिया में दो से तीन दिन लग सकते हैं। अभी तक, कोई अन्य लंबित मामला नहीं है...। क्वालिटी बार भूमि मामले के बारे में बताते हुए, खालिद ने कहा कि आरोपों में दावा किया गया है कि आज़म खान ने 2013 में कैबिनेट मंत्री के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करके अपने परिवार के एक सदस्य को ज़मीन आवंटित की थी। सुबह करीब 11 बजे रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में छह हजार रुपये का जुर्माना भरे जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद एक ईमेल जिला कारागार पहुंचा। ईमेल जिला कारागार पहुंचते ही आजम खां की रिहाई की प्रक्रिया शुरू की गई। यह खबर जैसे ही समर्थकों को मिली सब खुशी से चहक उठे। इसके बाद एएसपी उत्तरी आलोक सिंह ने जिला कारागार के मुख्य द्वार पर मोर्चा संभाला। ड्रोन उड़ाकर हालात का जायजा लिया गया। वहीं, जेल के दूसरे गेट से सफेद रंग की फॉच्यूर्नर यूपी 24 एसी 1555 अंदर गई।

सपा की सरकार आई तो आजम खां पर दर्ज सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे-अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को सपा के वरिष्ठ नेता एवं संस्थापक सदस्य आजम खां की रिहाई पर खुशी जताते हुए कहा कि राज्य में सपा की सरकार आई तो खां के खिलाफ दर्ज सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे। आजम खां को करीब दो साल बाद सीतापुर जेल से रिहा किया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने संवाददाताओं से कहा, 'जिस तरह मुख्यमंत्री जी (योगी आदित्यनाथ) ने अपने मुकदमे वापस लिए हैं... न सिर्फ अपने बल्कि उप मुख्यमंत्री (केशव प्रसाद मौर्य) और तमाम भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) नेताओं के मुकदमे भी वापस लिए गए हैं।

CMYK

बालोद जिले में 22 नर्सिंग होम, 9 क्लीनिक और 7 पैथालॉजी लैब ही पंजीकृत, 200 से अधिक का संचालन अवैध

बिना योग्यताधारी लोग छोटे से मकान में चला रहे अपनी दुकानदारी, लोगों के जिंदगी के साथ खिलवाड़

बालोद। डॉक्टरों को धरती का भगवान कहा जाता है, क्योकि वे अपने ज्ञान और प्रयास से जीवन बचाने का काम करते है, और लोगों को नई जिंदगी देते हैं। जिससे उनमें उम्मीद जगती हैं। जब जिंदगी बचाने की सारी उम्मीदें खत्म होने लगती हैं, तब डॉक्टर ही होते हैं जो मौत को मात देकर किसी इंसान की जान बचाते हैं। लेकिन जब कुछ लोग पैसे की लालच में फर्जी डॉक्टर बन डाक्टरी जैसे पेशे से खिलवाड़ कर किसी की मौत का कारण बन जाये, तो..? जिले के अर्जुन्दा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कांदुल में एक फर्जी व झोलाझाप डॉक्टर द्वारा मरीज का इलाज करने के दौरान उसे 9 इंजेक्शन लगा दिए, जिसके बाद उस मरीज के शरीर में इंफेक्शन फैल गया, और उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने बिना मेडिकल डिग्री व रजिस्ट्रेशन के 20 वर्ष से अधिक समय से क्लिनिक चला रहे फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया हैं। और आरोपित के मकान में संचालित क्लिनिक को सील कर दिया है। लेकिन आज भी जिले में सैकड़ो की संख्या में बिना पंजीयन व डिर्गी के दवाखाना, क्लिनिक व पैथालॉजी लैब का संचालित किया जा रहा है।

जिला मुख्यालय बालोद सहित जिले के ब्लॉक मुख्यालयों और ग्रामीण अंचलों में 200 से अधिक बिना डिग्री व पंजीयन के फर्जी व झोलाझाप डॉक्टर अपना अवैध रूप से व्यापार कर मरीजो की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बावजूद स्वास्थ्य विभाग द्वारा इनपर न शिंकजा कसा जा रहा है और न ही किसी भी प्रकार की कार्यवाही की जा रही है। बड़ी बात तो यह कि विभाग के पास बिना पंजीयन, मान्यता व डिग्री के चल रहे ऐसे दवाखानों, क्लिनिक व पैथालॉजी लैबो के आंकड़े व रिकार्ड नही है।

जिनका पंजीयन ही नहीं उनका संचालन कैसे..?

जिन क्लिनिक व लैब का पंजीयन ही नहीं है उनका संचालन कैसे हो रहा है यह बड़ा सवाल है? लेकिन इसका जबाव किसी के पास नहीं है। अगर जवाब नहीं है तो समझा जा सकता है कि इनका संचालन कैसे हो रहा है। हालत यह हैं जिला मुख्यालय सहित जिले में सैकड़ों की संख्या में दवाखाने, क्लिनिक व लैब का धड़ल्ले से संचालन हो रहा है। जहां बिना योग्यताधारी लोग बैठकर अपनी दुकानदारी चला रहे है, और लोगों के जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे है। इनमें से हर एक को स्वास्थ्य विभाग के किसी न किसी अधिकारी का संरक्षण मिला हुआ हैं।

शिकायत आने पर की जाती है कार्यवाही : नोडल

नर्सिंग होम के नोडल अधिकारी डॉ. कमलकांत ने बताया की जिले में 22 नर्सिंग होम, 9 क्लिनिक, और 7 पैथालॉजी लैब पंजीकृत है। इन्हें संचालन करने की अनुमति प्रदान है। वहा 9 आवेदन पंजीयन हेतु आये है, जिसपर कार्यवाही जारी है। जिन भी नर्सिंग होम, क्लिनिक या लैब खोलने आवेदन आये है, वहां जाकर मौके पर जांच कर देखा जाएगा कि वे मापदंडों पर खरा उतर रहे है या नही। उसके बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि झोलाझाप डॉक्टरों व बिना अनुमति पंजीयन के संचालित दवाखाना, क्लिनिक व लैब के आंकड़े नही है, शिकायत आने पर कार्यवाही की जाती हैं। वर्ष 2022 में नगर के भूमिका पैथालॉजी लैब को सील किया गया था। वही बीते वर्ष 2024 में जिला स्तर से डौंडी में संचालित पीएचपीएन दवाखाना पर कार्यवाही करते हुए सील किया गया था और 2022 व 2024 में जिले के सभी बीएमओ को झोलाझाप डॉक्टरों पर कार्यवाही करने पत्र लिखा गया है। डॉ. कमलकांत ने बताया कि बिना लाइसेंस के अगर कोई दवाखाना क्लिनिक चला रहे है और वे योग्यताधारी है तो उसपर 20 हजार का चालान करने का प्रावधान हैं तथा तत्काल उसे सील कर देंगे।

अवैध पैथालॉजी व झोलाछापों का जाल

जिले में अवैध क्लिनिक, दवाखाना एवं पैथोलाजी लैब के साथ झोलाछाप का जाल फैला हुआ हैं। गांव गांव बिना डिग्रीधारी लोग छोटे से मकान में दवाखाना व क्लिनिक खोल फर्जी तरीके से अपनी दुकानदारी चला रहे है। कार्यवाही के नाम पर कभी कुछ नहीं होता। जिले में करीब 50 से अधिक पैथालाजी लैब संचालित हो रहे हैं। इनमें पंजीयन मात्र 7 का ही है। इन संस्थानों का संचालन टेक्नीशियन के द्वारा किया जा रहा हैं। बड़ी संख्या बगैर पंजीयन के संचालित लैब की है। इन हालातों में पैथालाजिस्ट और रेडियोलाजिस्ट की रिपार्ट मिलना किसी भी स्थिति में संभव नहीं है। इनकी जांच और कार्यवाही की प्रक्रिया तभी चलती है जब कोई शिकायत करता है। यहां बता दें कि पैथोलाजी लैब को संचालित करने के लिए पैथोलाजिस्ट और एक्स- रे सेंटर के लिए रेडियोलाजिस्ट की जरूरत होती है। संक्रामक रोगों के मौसम में इनकी मनमानी का खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ता है।

2017 में हुई थी ताबड़तोड़ कार्यवाही

बता दे कि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 2014 से 2019 तक के रिकॉर्ड में 250 क्लीनिक, अस्पताल व लैब अवैध पाए गए थे। मार्च 2017 में हाईकोर्ट की सख्ती के बाद स्वास्थ्य, राजस्व व पुलिस प्रशासन ने शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र के 20 से ज्यादा क्लीनिक व निजी अस्पतालों को सील कर दिया था। सील करने के बाद सील किये संस्था ने फिर से बिना इजाजत के खुलने लगी। जिसके बाद तो नई और भी खुल गई। 2017 के बाद बिना डिग्री व लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित दवाखाना, क्लिनिक व लैबो पर किसी भी प्रकार से कोई ठोस कार्यवाही नही की गई।

स्वच्छता अभियान के तहत आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में विविध कार्यक्रम

बेमेतरा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बेमेतरा में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विद्यालय में व्यक्तिगत स्वच्छता विषय पर छात्राओं को जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम से पूर्व पखवाड़े के दौरान विद्यार्थियों ने स्वच्छता विषयक रंगोली, निबंध लेखन, वाद-विवाद तथा पोस्टर प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।साथ ही 17/09/25 को जिला स्तरीय रैली में शिक्षकों सहित सभी छात्राओं ने भाग लिया। आयोजित मुख्य सत्र में छात्राओं को उनकी व्यक्तिगत स्वच्छता संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए शासकीय जिला अस्पताल से स्टाफ नर्स दीपांजलि डेनियल आमंत्रित की गई। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता को बताते हुए मासिक धर्म के दौरान होने वाली परेशानियों, स्वच्छता बनाए रखने के उपाय एवं संतुलित आहार के महत्व पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। संस्था प्रमुख रामेश्वर प्रसाद बंजारे ने अपने उदबोधन में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को अपने आस-पास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा दी तथा सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की शिक्षिका रेणुका अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख रामेश्वर प्रसाद बंजारे चेतन कुमार देवांगन रोहिणी साहू लक्ष्मी पांडे रेणुका अग्रवाल देवकी साहू सुनीता बंजारे आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने मिलकर दिया स्वच्छता का संदेश

बेमेतरा। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बहेरा बेमेतरा में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम एवं ग्रामीण स्वच्छता सहभागिता अभियान के तहत विशेष सफई अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्राम कुशमी के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वच्छता का सामूहिक संदेश दिया।अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की। इसके बाद ग्राम कुशमी के चौक-चौराहों पर ग्रामीणों के साथ विशेष सफाई अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने झाडू लगाकर कचरा हटाया और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि स्वच्छ वातावरण से ही स्वस्थ जीवन संभव है। स्वच्छता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर, गली और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने की आदत डाले, तो पूरा समाज और राष्ट्र स्वच्छ बनेगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने यह शपथ ली कि वे प्रतिदिन अपने विद्यालय, घर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। उनका कहना था कि स्वच्छता की आदत जीवन का स्थायी हिस्सा बननी चाहिए। विद्यालय के प्राचार्य किशोर कुमार दहिकर ने कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए कहा कि बच्चों में छोटी उम्र से ही स्वच्छता की आदत डालना आवश्यक है। उन्होंने कहा जब बच्चे बचपन से ही स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तब वे भविष्य में जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनते हैं। अभियान में विद्यालय के शिक्षक सहित ग्राम कुशमी के पंच, सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि स्वच्छता केवल कार्यक्रम तक सीमित न रहकर, रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बने। इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान या विद्यालयी गतिविधि नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति की जीवन शैली का हिस्सा होना चाहिए।

आदिवासी क्षेत्र का आंगनबाड़ी केंद्र बंद, बच्चों के अधिकारों पर संकट

बालोद। बोड़ला विकासखण्ड के तरेगांव परियोजना अंतर्गत धनवाही और चेंद्रादादर गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र 20 सितम्बर शनिवार को निर्धारित समय (सुबह 9:30 से शाम 3:30 बजे) पर निरीक्षण के दौरान ताले में बंद पाए गए। यह न केवल स्थानीय ग्रामीणों के लिए आक्रोश का विषय है, बल्कि संविधान प्रदत्त बच्चों के मौलिक अधिकारों और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों का भी सीधा उल्लंघन है।

सुप्रीम कोर्ट और सरकार के नियम

सुप्रीम कोर्ट ने 2001 और उसके बाद कई आदेशों में कहा है कि आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन खुले रहने चाहिए और पात्र लाभार्थियों को समय पर भोजन मिलना चाहिए। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 की धारा 4 और 5 के तहत बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार उपलब्ध कराना राज्य सरकार की कानूनी जिम्मेदारी है। केंद्र और राज्य सरकार दोनों ने निर्देश दिए हैं कि आंगनबाड़ी समय से बंद करना या अनुपस्थित रहना गंभीर लापरवाही मानी जाएगी।

आंगनबाड़ी का उददेश्य और महत्व

आंगनबाड़ी केंद्र समेकित बाल विकास सेवा योजना के तहत संचालित होते हैं। इनका प्रमुख उददेश्य 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को पौष्टिक आहार, स्वास्थ्य और प्री-स्कूल शिक्षा उपलब्ध कराना, गर्भवती और धात्री माताओं को पूरक पोषण देना, कुपोषण की रोकथाम और बाल मृत्यु दर में कमी लाना।

निरीक्षण में उजागर लापरवाही

निरीक्षण में न केवल केंद्र ताले में बंद मिले, बल्कि आसपास के कई केंद्रों में बच्चों को भोजन कराने के बाद समय से पहले ही बंद कर दिया गया। सेक्टर पर्यवेक्षक का कहना था कि कर्मचारी केवायसी कराने गए थे। ग्रामीणों का सवाल है कि बच्चों को भोजन और पोषण देना प्राथमिक जिम्मेदारी है या बैंक केवायसी का काम। यदि केवायसी के नाम पर केंद्र ही बंद हो जाएंगे, तो आदिवासी बच्चों और माताओं का अधिकार कौन सुनिश्चित करेगा।

विभागीय प्रतिक्रिया और दूरी की विडंबना

इस विषय पर कबीरधाम जिला मुख्यालय स्थित जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा प्रभारी परियोजना अधिकारी चंचल यादव ने माना कि केंद्र का बंद रहना गंभीर विषय है। यदि कार्यकर्ता केवायसी करने जाते हैं, तो सहायिका को केंद्र में रहना चाहिए और बच्चों को मिलने वाली पोषण आहार व्यवस्था बराबर संचालित होनी चाहिए। गौरतलब है कि जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी का मुख्यालय कवर्धा में है, जबकि संबंधित केंद्र लगभग 70-80 किलोमीटर दूर वनांचल और पहाड़ी क्षेत्र में स्थित हैं। प्रभारी परियोजना अधिकारी कभी-कभार ही क्षेत्र में पहुंच पाते हैं। ऐसे में निगरानी और जवाबदेही का सवाल और भी बड़ा हो जाता है।

आदिवासी परिवारों पर सीधा असर

बोड़ला ब्लॉक के बैगा और गरीब आदिवासी परिवार आंगनबाड़ी केंद्रों पर ही बच्चों और माताओं के पोषण के लिए निर्भर हैं। केंद्र बंद रहने से छोटे बच्चों का पोषण बाधित हो रहा, गर्भवती और धात्री माताओं को भोजन नहीं मिल पा रहा, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस तरह की लापरवाही पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। उन्होंने विभाग से मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए, नियमित निगरानी की व्यवस्था हो, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। आंगनबाड़ी केंद्र केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि बच्चों और माताओं का कानूनी अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट और खाद्य सुरक्षा कानून के बावजूद यदि दूरस्थ आदिवासी अंचलों में केंद्र ताले में बंद मिल रहे हैं, तो यह न केवल सरकारी उदासीनता बल्कि बच्चों के अधिकारों से खिलवाड़ है। सवाल यह है कि जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर बसे इन पहाड़ी इलाकों तक प्रशासन की निगरानी कब और कैसे पहुंचेगी।

छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती पर भिभौरी में आयोजन संपन्न

नवीन शासकीय महाविद्यालय में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

बेमेतरा। प्रदेशभर में छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती (25 वर्ष पूर्ण) बड़े उत्साह और गौरव के साथ मनाई जा रही है। इसी कड़ी में जिले के बेरला ब्लॉक मे स्थित नवीन शासकीय महाविद्यालय भिभौरी में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक गतिविधियों, भाषण, निबंध, कविता और विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से राज्य के गौरवपूर्ण इतिहास और उज्ज्वल भविष्य को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई।

मंच पर नगर पंचायत भिभौरी के अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि संदीप परगनिहा, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर ठाकर, सहायक प्राध्यापक जी.एस. भारद्वाज, अन्य प्राध्यापकगण तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। वातावरण में छत्तीसगढ़ी परंपराओं की झलक दिखाई दी और पूरा समारोह राज्य के गौरवशाली सफ़र को समर्पित रहा। छात्रों ने मेरे सपनों का छत्तीसगढ़ विषय पर निबंध, कविता और वाद-विवाद प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों में युवाओं ने राज्य के विकास, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक समरसता के सपनों को शब्दों और विचारों में पिरोया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं की घोषणा भी की गई। भाषण प्रतियोगिता में चिंतामणि निषाद (बी.ए. अंतिम वर्ष) प्रथम स्थान पर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार धनेश्वरी साहू (बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर) को मिला। लोकेश्वरी (बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर) ने पहला स्थान प्राप्त किया।

निबंध प्रतियोगिता में हेमलता निषाद (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) प्रथम रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में धनेश्वरी साहू एवं चेतना पाटिल (बी.एससी. तृतीय एवं प्रथम सेमेस्टर) की जोड़ी ने बाज़ी मारी। क्विज प्रतियोगिता का प्रथम स्थान बी.ए. संकाय के छात्रों को मिला। इन प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया और रजत जयंती उत्सव को जीवंत बना दिया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. समीर ठाकर ने अपने उदबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ ने पिछले 25 वर्षों में शिक्षा, संस्कृति और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे राज्य के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर समाज सेवा का संकल्प लें और ज्ञान व कौशल से प्रदेश का नाम रोशन करें। मुख्य अतिथि संदीप परगनिहा ने अपने संदेश में कहा कि युवा पीढ़ी ही छत्तीसगढ़ की असली ताकत है। उन्होंने छात्रों को राज्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए योगदान देने और अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाने का आह्वान किया। सहायक प्राध्यापक जी.एस. भारद्वाज ने कहा कि छत्तीसगढ़ का अस्तित्व प्राचीन है और इसकी संस्कृति, परंपरा एवं लोककला देश की धरोहर है। उन्होंने कहा कि राज्य तभी वास्तविक रूप से 'बढ़िया' बनेगा जब यहाँ की युवा पीढ़ी शिक्षा, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाते हुए अपनी संस्कृति से जुड़ी रहेगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

पुरस्कार पाकर छात्रों के चेहरों पर उल्लास झलक रहा था और उन्होंने इसे अपने जीवन का प्रेरणादायी क्षण बताया। छात्र-छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे आगे भी अपनी मेहनत और प्रतिभा से राज्य का नाम रोशन करेंगे। प्रदेशभर में मनाए जा रहे रजत महोत्सव ने हर जिले, हर गांव और हर संस्था में उत्साह का वातावरण बना दिया है। भींभौरी महाविद्यालय का यह आयोजन भी उसी श्रृंखला का हिस्सा रहा, जिसने स्थानीय स्तर पर युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और राज्य के विकास में योगदान की प्रेरणा दी।

समय सीमा पर कार्य पूर्ण नहीं करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

बेमेतरा। कलेक्ट्रेट के दिशा सभाकक्ष में जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के अंतर्गत चल रहे एवं प्रस्तावित विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जब अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट सामने आई तो कई कार्यों की धीमी रफ्तार और कुछ योजनाओं की शुरुआत तक नहीं होने पर कलेक्टर रणवीर शर्मा ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो अधिकारी-कर्मचारी समयसीमा में कार्य पूर्ण नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा, और जवाब संतोषप्रद ना मिलने पर बर्खास्त करने कि चेतावनी डी गई हैं। कलेक्टर शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण कार्यों को अगले 10 दिनों के भीतर हर हाल में पूरा कर लिया जाए और इसकी रिपोर्ट जिला कार्यालय में प्रस्तुत की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहें, बल्कि नियमित रूप से कार्यस्थल का दौरा कर मौके पर कार्य की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। बैठक में सामुदायिक भवन निर्माण, नाली निर्माण कार्यों एवं प्रगतीरथ योजना जैसे प्रमुख विकास कार्यों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि ये सभी कार्य ग्रामीण एवं पिछड़े वर्ग के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास से सीधे जुड़े हुए हैं। ऐसे में इन्हें समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि मात्र समयसीमा में कार्य पूरा करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि गुणवत्ता भी सर्वोपरि है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि कहीं भी कोई बाधा या समस्या आ रही है तो उसका त्वरित समाधान कर शासन के उददेश्यों को सफल बनाया जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता, एडीएम अनिल वाजपेयी सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी।

बाजे गाजे के साथ चौक चौराहों पर देवी मां की मूर्ति विराजे, शुभ मुहूर्त में देवी मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना

बेमेतरा। जिले के विभिन्न शहरों गांव के चौक चौराहों पर बाजे गाजे के साथ देवी मां की मूर्ति की विराजे इसके साथ ही विभिन्न देवी मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश की भी स्थापना शुभ मुहूर्त में किया गया। इस बार नगर के प्रमुख मंदिरों में तेल एवं धृत मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना विभिन्न शुभ मुहूर्त में स्थापित किया गया है। इस संबंध में माता महामाई मंदिर के बारे में पिंटू रोहरा से मिली जानकारी के अनुसार इस साल यहां कुल 45 मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना अभिजीत मुहूर्त में किया गया है, जिसमें चार धृत मनोकामना ज्योति कलश शामिल है। अभिजीत मुहूर्त में मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की गई। इस मंदिर में आचार्य राम पाठक के द्वारा दुर्गा सप्त दुर्गा सप्तशती पाठ पूरे पर्व किया जाएगा। इसी प्रकार राजु गोविदानी ने बताया कि मनोकामना ज्योति कलश मां शीतला मंदिर में इस साल कुल 315 तेल जो तेल मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना किया गया है एवं 22 घृत ज्योति कलश तथा एक संस्था द्वारा कलश की स्थापना किया गया है। यहां कुल 315 ज्योति कलश की स्थापना अभिजीत मुहूर्त में आचार्य रोशन मिश्रा के द्वारा किया गया है यहां पर प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती पाठ का पठन किया जाएगा। इसी तरह माता भद्रकाली मंदिर में भी मनोकामना तेल ज्योति कलश स्थापित किया गया है। यहां के बारे मे संस्था के कोषाध्यक्ष महेश शर्मा ने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त में कुल 1540 तेल मनोकामना ज्योति कलश की स्थापित किया गया है जिसमें एक संस्था के द्वारा भी ज्योति कलश स्थापित किया गया है जो शामिल है यहां ब्रह्म मुहूर्त में राम कुमार शास्त्री के सानिध्य में ज्योति कलश स्थापित किया गया है। यहां प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती पाठ का होगा जिसमें 5 पंडितों के द्वारा किया जाएगा इसके अलावा मां कालिका मंदिर के बारे में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बताया कि में इस साल 47 मनोकामना तेल कलश स्थापना ब्राह्म मुहूर्त में आचार्य शुभम शर्मा के सानिध्य में किया गया। प्रकाश साहू ने बताया कि मां बमलेश्वरी मंदिर में 6 मनोकामना तेल ज्योत की स्थापना ब्रह्म मुहूर्त पर कमल नारायण तिवारी ने किया गया तथा माता गायत्री मंदिर में भी मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना विभिन्न महोत्सव में आचार्य के सानिध्य पर किया गया है।

श्रद्धा भक्ति के साथ देवी मां की मूर्ति का किया गया स्थापना

वही शारदीय नवरात्रि पर्व में जिला मुख्यालय सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों एवं नगरी निकाय क्षेत्रों के चौक चौराहे पर सार्वजनिक मंच एवं पंडालों में देवी मां की विभिन्न रूपों की मूर्ति की स्थापना आचार्यों के निर्देश में विभिन्न शुभ मुहूर्त में किया गया। इसके पूर्व माता देवी की मूर्ति को मूर्ति कारों के घर से लाने के लिए पहुंचे जहां पर माता की यथासंभव पूजा अर्चना किया गया। तदुपरांत श्रद्धालुओं के द्वारा विभिन्न साधन में बाजे गाजे के साथ माता को 1 दिन पहले मूर्ति स्थापना के स्थल पर ले गए थे वहीं कुछ कई श्रद्धालुओं ने पर्व के दिन ही माता की मूर्ति को ले गए और जबकि कुछ श्रद्धालुओं ने पर्व के दिन माता की मूर्ति को मूर्तिकार के यहां से बाजे गाजे के साथ ले गए और इसकी स्थापना किया गया। इसके इसके साथ ही 9 दिन तक चलने वाले नवरात्रि पर्व की शुरुआत हो गई है। इसके अलावा विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्रों के कई श्रद्धालुओं के घरों में मनोकामना ज्योति की स्थापना श्रद्धा भक्ति के साथ विभिन्न श्रद्धालुओं के द्वारा स्थापित किया गया है। ग्रामीण शहरी क्षेत्र के घरों में मनोकामना ज्योति की स्थापना किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

4 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ आ रहे अमित शाह, विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा में शामिल होंगे

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 4 अक्टूबर को राज्य के दौरे पर रहेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे और बस्तर के प्रसिद्ध दशहरा उत्सव में हिस्सा लेंगे। वे विशेष रूप से मुरिया दरबार में शिरकत करेंगे, जो इस 75 दिनों तक चलने वाले ऐतिहासिक आयोजन का केंद्रीय हिस्सा है। बस्तर दशहरा, जो जगदलपुर में आयोजित होता है, आदिवासी परंपराओं और रीति-रिवाजों से जुड़ा 600 वर्ष पुराना उत्सव है। यह नक्सलवाद से मुक्त बस्तर की शांति और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा, शाह का यह दौरा बस्तर के लिए ऐतिहासिक होगा। बस्तर अब नक्सलवाद की गिरफ्त से मुक्त होकर शांति और खुशी से अपने त्योहार मना रहा है। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने 19 सितंबर को दिल्ली में शाह से मुलाकात कर यह निमंत्रण दिया था, जिसमें मां दंतेश्वरी की पवित्र छवि भी भेंट की गई। शाह ने अपने एक्स हैंडल पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वे 75-दिवसीय मुरिया दरबार में भाग लेंगे। यह दौरा राज्य सरकार की नक्सल-मुक्ति अभियान की सफलता को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करेगा।

रेलवे कर्मचारियों को सातवें वेतनमान के अनुसार बोनस की उम्मीद, यूनियन ने उठाई मांग

रायपुर। सातवें वेतनमान के लागू होने के बावजूद रेलवे कर्मचारियों को अब तक छठवें वेतनमान के आधार पर बोनस दिया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में नाराज़गी है। फ़िलहाल बोनस की राशि 17951 रुपए तय की जाती है, जो कि छठवें वेतनमान के न्यूनतम वेतन 7000 को आधार मानकर दी जाती है। ऑल इंडिया रेलवे ट्रैकमेन यूनियन ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए प्रधानमंत्री और रेल मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि कर्मचारियों को सातवें वेतनमान के अनुरूप बोनस प्रदान किया जाए। यूनियन का कहना है कि वर्तमान में न्यूनतम वेतन 18000 है, और उसी के आधार पर 78 दिन का बोनस तय किया जाए, जिससे बोनस की राशि लगभग 46176 होनी चाहिए। यूनियन सूत्रों के अनुसार, हर साल दुर्गा पूजा और दशहरे के मौके पर रेलवे कर्मचारियों को उत्पादन आधारित बोनस दिया जाता है। यह बोनस रेलवे की साल भर की माल ढुलाई और यात्री सेवाओं से हुई आय पर आधारित होता है। लेकिन वर्षों से यह बोनस पुराने वेतनमान के हिसाब से ही दिया जा रहा है, जिसे कर्मचारी अन्यायपूर्ण मानते हैं। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने यूनियन की इस मांग को संज्ञान में लेते हुए इसे वित्त मंत्रालय को अग्रेषित कर दिया है। यूनियन को फ़ोन पर इसकी सूचना भी दी गई है, जिससे कर्मचारियों में उम्मीद जगी है कि इस बार उन्हें सातवें वेतनमान के अनुसार बोनस मिल सकता है। रेलवे कर्मचारी संगठनों का कहना है कि यह न केवल उनका अधिकार है, बल्कि मेहनती और ईमानदार कर्मचारियों के सम्मान का भी विषय है। वेतनमान के अनुसार बोनस देने से कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ेगा और उनके आर्थिक हितों की रक्षा होगी।

अब बोधघाट परियोजना पर होगा बड़ा संग्राम :बैज

रायपुर। भाजपा की सरकार द्वारा बस्तर में बनाई जा रही बोध घाट परियोजना से 55 से अधिक गांव डुबान क्षेत्र में आ जाएंगे, हजारों लोग अपने घरों से बेघर हो जाएंगे। ग्रामीण आदिवासी इस परियोजना के आने से बहुत ज्यादा चिंतित हैं और लगातार इसका विरोध कर रहें हैं। इसी संदर्भ में आज कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज से एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की और पूरी स्थिति से उन्हें अवगत कराया। काफी देर चली इस चर्चा में कई प्रकार के विकल्पों पर मंथन हुआ।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने उन्हें आश्वस्त किया कि बहुत ही जल्द ग्रामीणों के साथ एक बड़ी बैठक कर, उनसे विस्तृत चर्चा की जाएगी और बोधघाट परियोजना को लेकर आगे बड़ी रणनीति तय करेंगे

सिमगा स्कूल में छात्राओं के साथ शारीरिक शोषण,शिक्षिका निलंबित

रायपुर। ज़िले के सिमगा विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कामता में छात्राओं के साथ शारीरिक शोषण की गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। स्कूल के प्रभारी प्रधान पाठक देवलाल साहू पर आठवीं कक्षा की दो छात्राओं के साथ आपत्तिजनक हरकतें करने का आरोप है। इस मामले में पीड़ित छात्राओं के परिजनों की शिकायत के बाद आरोपी शिक्षक के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जानकारी के अनुसार, पहली घटना 30 अगस्त को और दूसरी घटना 19 सितंबर को हुई। 19 सितंबर को देवलाल साहू ने एक छात्रा को प्रमाण पत्र देने के बहाने स्कूल से बाहर एक मकान में ले जाकर कथित रूप से शारीरिक शोषण किया। इससे पहले, 30 अगस्त को भी इसी तरह की हरकत की गई थी। इन मामलों को लेकर गांव में भारी आक्रोश देखा गया है। शुक्रवार को शिकायत के बाद जब मामला सामने आया तो पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस और शिक्षा विभाग हरकत में आ गए। जिला शिक्षा अधिकारी संजय गुहे द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा।

दंतेवाड़ा में विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ देने की घोषणा की

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दंतेवाड़ा से की पंजीयन की शुरूआत

■ बस्तर ओलंपिक से बस्तर की दशा और दिशा बदली, विश्व मानचित्र पर बनेगी अलग पहचान -अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर संभाग में आगामी अक्टूबर-नवम्बर में होने वाले बस्तर ओलंपिक के लिए आज से पंजीयन प्रारंभ हो गया। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज दंतेवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में इसकी औपचारिक शुरूआत की। बस्तर ओलंपिक के दौरान आयोजित होने वाले खेलों में भाग लेने के लिए खिलाड़ी 20 अक्टूबर तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। बस्तर ओलंपिक का विकासखंड स्तर पर आयोजन 25 अक्टूबर से 5 नवम्बर तक, जिला स्तरीय आयोजन 5 नवम्बर से 15 नवम्बर तक तथा संभाग स्तरीय आयोजन 24 नवम्बर से 30 नवम्बर तक किया जाएगा। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप और विधायक श्री चैतराम अटामी भी पंजीयन के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीयन की शुरूआत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष आयोजित बस्तर ओलंपिक से बस्तर की दशा और दिशा बदली है। आने वाले समय में बस्तर विश्व के मानचित्र पर अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा। यहां की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी चमक बिखेरेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले बस्तर ओलंपिक में एक लाख 62 हजार खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया था। इस वर्ष दो लाख खिलाड़ियों के पंजीयन का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी बस्तर ओलंपिक की प्रशंसा की थी। इस आयोजन को पूरे देश में लोकप्रिय बनाना है। बस्तर के हर गांव के हर बच्चे और युवा की भागीदारी

इसमें सुनिश्चित करना है। श्री साव ने कार्यक्रम में दंतेवाड़ा जिले में मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए पांच करोड़ रुपए देने की घोषणा की। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर आज बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीयन का शुभारंभ किया जा रहा है। बस्तर अनेक मामलों में समृद्ध है, चाहे वह खेल हो, संस्कृति हो या अन्य कोई क्षेत्र... बस्तर ने हमेशा अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। बस्तर अपनी अनूठी परंपराओं और रीति-रिवाजों के कारण विशेष महत्व रखता है, जिन्हें हमारे पूर्वज आदिकाल से निभाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। बस्तर ओलंपिक से इन प्रतिभाओं को पहचान और प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में बस्तर ओलंपिक में भाग लेने की अपील की। विधायक श्री चैतराम अटामी और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार ने भी पंजीयन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित किया। राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी, दंतेवाड़ा जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी, उपाध्यक्ष श्री अरविन्द कुंजाम, दंतेवाड़ा नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम, डीआईजी श्री कमलोचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय, जिला पंचायत के सीईओ श्री जयंत नाहटा और डीएफ्ओ श्री सागर जाधव सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

मेडिकल छात्र ने ऑनलाइन टास्क में मुनाफे के लालच में गंवाया 11 लाख

■ ठगों ने टास्क में गलती बताकर साढ़े चार लाख का मांगा फाइन, लगातार जमा कराई रकम

रायपुर/ संवाददाता

ऑनलाइन गेम से लेकर विभिन्न खातों में रकम जमा करने के लिए तो फ्रॉड की शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं। मगर राजधानी के पंडरी मोवा क्षेत्र में रहने वाली एक मेडिकल स्टूडेंट को घर बैठे ऑनलाइन टॉस्क के जरिये अच्छा मुनाफा होने का झांसा देकर लाखों रूपए ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने फिलहाल शिकायत मिलने पर मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। शिकायत में प्रार्थी ने बताया कि ठगों ने पहले तीन किस्तों में 2 हजार रुपए उनके एकाउंट में ट्रांसफर किए. इसके बाद उनसे पांच हजार, 50 हजार और डेढ़ लाख रुपए जमा करा लिए गए. फिर उन्हें टॉस्क में गलती होने की बात कहकर फाइन के रूप में साढ़े चार लाख रुपए जैसी बड़ी जमा कराई गई और भुगतान करने से पहले और रुपए मांगे जाते रहे। डेढ़ माह तक ठगी का शिकार,11 लाख ट्रांसफर कर आया होश मेडिकल छात्रा को फ्रॉड का अहसास काफी देर से हुआ यानि अहसास होने तक साढ़े 11 लाख रुपए ठगों के संदिग्ध एकाउंट में ट्रांसफर कर चुकी थी । पंडरी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है जिसमें मुख्य रूप से जानकारी के मुताबिक, 30 मई से लेकर एक डेढ़ महीने तक छात्रा के साथ ठगी की गई है। पहले टास्क कराकर कुछ 1-2 हजार की राशि छात्रा को दी गई , फिर टॉस्क में गलती बताकर साढ़े चार लाख मांगे गए. इसी तरह उन्हें बातों में उलझाकर साढ़े 11 लाख रुपए जमा करा लिये गए। मोबाइल पर भेजा जाता था टास्क छात्रा से ठगी करने वालों ने बड़े ही शातीराना अंदाज में रकम लूटे। छात्रा के कथनानुसार मोबाइल फोन पर वॉट्सएप मैसेज भेजकर वेलफेयर टास्क वर्क फार्म होम ग्रुप से जोड़ा गया। टॉस्क मिलने पर स्क्रीनशॉट भेजना होता था। शुरू में दस से ज्यादा टॉस्क पूरा करने पर 30 मई 2025 को 1850 रुपये 3 किस्तों में भेजे गए।

स्वच्छता ही सेवा 2025 स्वच्छोत्सव अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन

रायपुर। भारतीय रेलवे द्वारा इस वर्ष 17 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा' 2025 अभियान को स्वच्छोत्सव के रूप में पूरे देशभर में भव्य रूप से मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसी श्रृंखला में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा मंडल के सभी स्टेशनों, रेलवे परिसरों, कार्यालयों, कार्यस्थलों, कालोनियों एवं ट्रेनों में प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुसार जागरूकता एवं स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत आज दिनांक 21 सितम्बर 2025 को मंडल के सभी स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों, कार्यालय परिसरों आदि में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भूपेश बघेल का आइडिया दिल्ली सरकार को भाया

भूपेश बघेल की नरवा,गरुवा घुरवा अउ बारी वाली स्कीम

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की 'नरवा, गरुवा, घुरवा अउ बारी' योजना अब देश के दूसरे हिस्सों को भी प्रेरित कर रही है। दिल्ली के नंगली डेयरी फार्म में एमसीडी द्वारा तैयार किए गए बायोगैस प्लांट की योजना छत्तीसगढ़ के उस विजन से मिलती है, जिसमें हर घर के 'घुरवा' से बायोगैस बनाकर रसोई गैस और खाद का उत्पादन करने की बात की गई थी। छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह योजना बनाई थी। नरवा मतलब नदी, नाले, नहर का पानी,

गरुवा का मतलब गाय, भैंस समेत सभी मवेशी, घुरवा का अर्थ है गोबर और उससे जुड़ी चीजें, जैसे- खाद, कम्पोस्ट और बारी का अर्थ घर के पास की खेत, खलिहान जैसी जमीन, जो उर्वरक हो। दिल्ली के नंगली डेयरी फार्म के डेयरी मालिकों के लिए कमाई का एक नया जरिया खुलने वाला है, क्योंकि एमसीडी ने नंगली में बीओटी योजना के तहत एक बायोगैस प्लांट तैयार किया है जिसे अगले महीने शुरू करने की योजना है। इस प्लांट के शुरू होने से डेयरी मालिक अपनी गाय और भैंसों का गोबर प्लांट चलाने वाली कंपनी को बेचकर हर महीने हजारों रुपये कमा सकेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और गोबर को नालों में बहाने की समस्या से भी निजात मिलेगी। एमसीडी केंद्रीय आवासन और शहरी विकास मंत्रालय की मदद से तीन बायोगैस प्लांट बना रही है, जिनमें से नंगली का प्लांट तैयार हो चुका है और अन्य दो प्लांट गोयला डेयरी और घोगा डेयरी में तैयार किए जा रहे हैं।

भारतीय रेलवे ने शुरू की समयबद्ध कार्गो सेवाएँ,बढ़ाई गई माल परिवहन की गति....

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय रेलवे ने माल परिवहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब समय-सारणी आधारित, वस्तु-विशेष कार्गो सेवाएँ शुरू की गई हैं, जो उत्तर भारत के प्रमुख उत्पादन और खपत केंद्रों को जोड़ती हैं। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाना, भरोसेमंद ट्रांज़िट समय सुनिश्चित करना और उद्योग-आधारित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करना है । नई सेवाओं में शामिल हैं- अन्नपूर्णा सेवा- लुधियाना से वाराणसी तक, 704 किमी, खाद्य अनाज का 17 घंटे में परिवहन। गति-वाहन सेवा- फर्रुख नगर (हरियाणा) से लखनऊ तक, 557 किमी, ऑटोमोबाइल्स का 28 घंटे में परिवहन, पहले 70 घंटे लगते थे। निर्यात कार्गो सेवा- गढ़ी से मुन्द्रा पोर्ट तक, 1061 किमी, कंटेनर का 32 घंटे में परिवहन। अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा- रूपनगर से अनंतनाग, 586 किमी, सीमेंट का 31 घंटे में परिवहन। इन सेवाओं की योजना बनाने में स्नष्टद्ध, ऑटोमोबाइल ऑपरेटर, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर और पड़ोसी रेलवे जोन सहित सभी फ्रेट स्टेकहोल्डर्स के साथ व्यापक समन्वय किया गया। प्रारंभ में ये सेवाएँ परीक्षण के रूप में शुरू हुई थीं, लेकिन अब यह पूरी तरह से स्थिर और कुशल रूप से संचालित हो रही हैं। ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही। स्नष्टद्ध ने अन्नपूर्णा सेवा की सराहना की, जिससे पंजाब और हरियाणा के अधिशेष क्षेत्रों से उत्तर प्रदेश के कमी वाले क्षेत्रों तक खाद्य अनाज की आपूर्ति में सुधार हुआ। मारुति सुजुकी ने गति-वाहन सेवा के तहत ट्रांज़िट समय 70 घंटे से घटकर 28 घंटे होने की जानकारी दी, जिससे रोड ट्रांसपोर्ट के बराबर डिलीवरी सुनिश्चित हुई। निर्यातक रिपोर्ट कर रहे हैं कि निर्यात कार्गो सेवा के जरिए मुन्द्रा पोर्ट तक 40 घंटे से कम में माल पहुँच रहा है, जिससे पोर्ट और शिपिंग कंपनियों के साथ समय पर समन्वय संभव हुआ। सीमेंट कंपनियों ने अनंतनाग सीमेंट कार्गो सेवा और अनंतनाग गुड्स शेड के उद्घाटन का स्वागत किया, जिससे रेक डिस्पैच और ट्रक संचालन बेहतर हुए। समयबद्ध ट्रेन आगमन और प्रस्थान की जानकारी के साथ, ये सेवाएँ कॉन्साइनर्स और कन्सिग्नी दोनों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स योजना बनाने में मदद कर रही हैं, जिससे पूर्वानुमान और दक्षता बढ़ रही है। भारतीय रेलवे उद्योग, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को समर्थन देते हुए विश्वस्तरीय, भरोसेमंद माल परिवहन सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत डबल इंजन की सरकार दे रही डबल सब्सिडी

रायपुर। पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत डबल इंजन की सरकार अब इस योजना का लाभ लेने वालो कों डबल सब्सिडी दे रही है। ज्यादा बिजली बिल का बोझ हर घर की जेब पर भारी पड़ता था। लेकिन अब इस समस्या का समाधान प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना के रूप में सामने आया है। इस योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को बढ़े हुए बिजली बिल से राहत दिलाना है। वही उन्हें बिजली उपभोग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना के तहत घरों की छत पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने पर केंद्र और राज्य शासन द्वारा अनुदान राशि प्रदान की जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को अपने बिजली बिल में राहत मिल रही है। लोग अपनी जरूरत से अधिक बिजली का उत्पादन कर उसे ग्रिड को सप्लाई कर सकते हैं, जिससे न केवल उनका बिजली बिल शून्य हो रहा है। इसी योजना का लाभ उठाकर कुरुद निवासी ललित चंद्राकर ने बताया की तीन माह पूर्व अपने घर की छत पर 3 केवीसोलर रूफटॉप लगवाया। उन्होंने बताया कि संयंत्र चालू होने के साथ ही उनके घर में बिजली उत्पादन शुरू हो गया और पहले ही महीने से ही उनका बिजली बिल शून्य आ रहा है। चंद्राकर ने कहा कि सौर ऊर्जा के उपयोग से न केवल बिजली बिल का बोझ खत्म हुआ है।

पीएम सूर्यघर योजना:केवल सौर ऊर्जा का विस्तार नहीं बल्कि भविष्य की क्रांति

■ उनकी छत पर सजे 5 किलोवाट के सौर पैनल रोज 10 यूनिट ऊर्जा बनाते हैं, जिनमें से 7-8 यूनिट घर के रोशन में खप जाते हैं

रायपुर/ संवाददाता

वो समय अब बीत चुका है जब बिजली के मीटर उपभोक्ताओं की जेब खाली कर देते थे। अब मीटर गवाही दे रहा है, ऊर्जा उपभोग की नहीं, ऊर्जा उत्पादन की। छत्तीसगढ़ की धरती पर प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ने घर-घर में आशा की नई किरण जलाई है। महासमुंद के एकता चौक, इमली भाठा रोड निवासी श्री अमित इसका जीवंत उदाहरण हैं। कभी हर महीने पन्द्रह सौ से 4 हजार रुपये तक का बिल चुकाने वाले अब बिजली विभाग से आय प्राप्त कर रहे हैं। उनकी छत पर सजे 5 किलोवाट के सौर पैनल रोज 10 यूनिट ऊर्जा बनाते हैं, जिनमें से 7-8 यूनिट घर के रोशन में खप जाते हैं और बाकी की रोशनी हमारे बिजली खाते में जमा हो जाती है। घर का हर पंखा, हर बल्ब, हर उपकरण अब सूर्य की मुस्कान से रोशन होती है। स्मार्ट मीटर उनकी ऊर्जा कहानी पल-पल लिख रहा है। और तड़ित चालक, मानो आकाशीय बिजली से पहरेदार बनकर रक्षा कर रहा हो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन ने इस योजना को डबल सब्सिडी की शक्ति दी है, जहां केंद्र और राज्य मिलकर हजारों की राहत दे रहे हैं। महासमुंद जिले के 550 घर अब सिर्फ जगमग नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गए हैं। योजना के तहत् बिजली उत्पादन करने वाले श्री अमित ने बताया कि यह योजना केवल सौर ऊर्जा का विस्तार नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की क्रांति है। उपभोक्ता अब केवल रोशनी के नहीं, बल्कि प्रगति के भी निर्माता हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ में उपभोक्ताओं को डबल सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। जिसमें 1 किलोवाट पैनल पर 30 हजार रुपए केंद्र एवं 15 हजार रुपए राज्य सरकार द्वारा कुल 45 हजार रुपए सब्सिडी प्रदान किया जा रहा है। इसी प्रकार 2 किलोवाट पैनल पर 60 हजार रुपए केंद्र, 30 हजार रुपए राज्य कुल 90 हजार रुपए सब्सिडी एवं 3 किलोवाट पैनल पर 78 हजार रुपए केंद्र एवं 30 हजार रुपए राज्य कुल एक लाख 8 हजार रुपए सब्सिडी प्रदान किया जा रहा है।

आत्मनिर्भर भारत,फिट इंडिया और नशा मुक्त भारत का दिया संदेश

जिंदगी में जीत हार से ज्यादा महत्वपूर्ण है पूरी क्षमता से खेलना-वित्त मंत्री ओपी चौधरी.......

■ प्रथम दस स्थानों पर आने वाले प्रतिभागियों को मिलेगा 5-5 हजार रूपये का पुरूस्कार

■ सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत हुआ नमो मैराथन दौड़ का आयोजन

रायपुर/ संवाददाता

रायगढ़ में आत्मनिर्भर भारत, फिट इंडिया और नशा मुक्त भारत का संदेश देते हुए मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ चौक से मैराथन

दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मैराथन रायगढ़ के दौड़ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ चौक से होते हुए गांधी चौक, सुभाष चौक, रामनिवास टॉकीज चौक, शहीद चौक से हेमू कालानी चौक होते हुए कमला नेहरू उद्यान में समाप्त हुई। यह कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत आयोजित किया गया। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने मैराथन दौड़ के विजेताओं को बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि जीत-हार से ज्यादा महत्वपूर्ण अपनी पूरी क्षमता और खेल भावना से प्रतियोगिता में हिस्सा लेना है। लगन और समर्पण के साथ किया गया प्रयास ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रथम दस स्थान पर आने वाले बालक और बालिकाओं को स्वेच्छानुदान मद से 5-5 हजार रूपये देने की घोषणा की। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने कुशल नेतृत्व से आज भारत को वैश्विक मानचित्र में स्थापित करने का काम किया है। उनके मार्गदर्शन में किए जा रहे कार्यों से देश ने प्रगति के कई सोपान तय किए हैं। 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक यह सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में एक भी राष्ट्रीय स्तर की संस्था नहीं थी। किन्तु आज आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी, एनआईटी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जैसी देश की लगभग सभी प्रमुख संस्थाएं यहां संचालित हैं।

संपाकीय

वक्फ कानून पर आशंकाएं दूर होंगी

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर रोक नहीं लगाई, लेकिन उसके कुछ प्रावधानों में संशोधन किया है या उन्हें रोका है। शीर्ष अदालत का फैसला पूरी तरह तार्किक है, जिसमें संतुलन का पूरा ध्यान रखा गया है। उम्मीद है कि इस फैसले से वे आशंकाएं दूर हो जाएंगी, जो इस नए कानून को लेकर जताई जा रही थीं। संविधान के अनुरूप~ सुप्रीम कोर्ट की ओर से किए गए संशोधन महत्वपूर्ण और जरूरी हैं। इनमें संविधान की भावनाओं का ख्याल रखा गया है। एक अहम संशोधन यह है कि शीर्ष अदालत ने वक्फ संपत्ति जांच के प्रावधानों पर आंशिक रूप से रोक लगा दी। नामित अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर ही किसी प्रॉपर्टी को गैर-वक्फ नहीं माना जा सकता। अदालत ने संपत्ति अधिकार तय करने की ताकत जिलाधिकारी को देने को संविधान में की गई व्यवस्था-शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत के खिलाफ माना। यह व्यवस्था इसलिए की गई है, ताकि लोकतंत्र के तीनों अहम अंगों-विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति का संतुलन बना रहे। एक पक्ष की ओर पलड़े का थोड़ा भी झुकाव व्यवस्था के संतुलन को बिगाड़ देगा। किसी एक ही अंग में सारी शक्तियां इसलिए भी निहित नहीं हैं, ताकि उसे निरंकुश होने से रोका जा सके। इसी तरह, वक्फ करने के लिए न्यूनतम 5 बरसों तक इस्लाम का अनुयायी होने के प्रावधान पर तब तक रोक रहेगी, जब तक राज्य सरकारें इसके सत्यापन के लिए नियम नहीं बना लेतीं। देश में धर्म व्यक्तिगत मामला है और यह जरूरी नहीं कि कोई नागरिक अपनी धार्मिक पहचान का सार्वजनिक प्रदर्शन करे। तो यह तय करना कि कोई किसी धर्म को कब से मान रहा है, बेहद जटिल है। राज्य सरकारों से उम्मीद है कि इस बारे में नियम बनाते समय वे सभी पहलुओं का ध्यान रखेंगी और ज्यादा संवेदनशीलता बरतेंगी। वक्फ संशोधन अधिनियम के कई बिंदुओं पर विपक्ष को गहरी आपत्ति थी। इसे लेकर दोनों सदनों में और सड़क पर भी काफी हंगामा हुआ। इस मामले की गंभीरता और उसके असर को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट का फैसला जिम्मेदारी भरा है। याचिका में पूरे कानून को रद्द करने की मांग की गई थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसे नहीं माना। इस तरह के कदम बेहद दुर्लभ मामलों में उठाए जाते हैं और इनका प्रभाव बहुत व्यापक होता है। इस मायने में सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक विवेक का इस्तेमाल किया, और यह भी ध्यान रखा कि विधायिका के साथ सीमाओं का अतिक्रमण न हो।

भारत में लंबे समय तक लगातार सत्ता में रहते हुए सेवा करने वाले राजनेता, राष्ट्रहित और जनहित को हमेशा सर्वोपरि रखने वाले, मां भारती के सच्चे-सपूत, नए आधुनिक सशक्त शक्तिशाली भारत के शिल्पकार और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितंबर को जन्मदिन है। मैं उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आप दीर्घायु हों और सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें और देश का नाम रोशन करते रहें और हम भारतवासियों का मार्गदर्शन करते रहें। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने कार्यों के दम पर अब आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के शिल्पकार बन चुकें हैं, यह तथ्य अब किसी से भी छिपा हुआ नहीं है।

आधुनिक, सशक्त व शक्तिशाली नए भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री 'नरेन्द्र मोदी'

(दीपक कुमार त्यागी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत अब अगली पीढ़ी के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण करने में दिन-रात जुटा हुआ है। जो कार्य स्थिरता और दीर्घकालिक सोच से प्रेरित है। नरेन्द्र मोदी का यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार करने का कार्य बखूबी कर रहा है।

भारत में लंबे समय तक लगातार सत्ता में रहते हुए सेवा करने वाले राजनेता, राष्ट्रहित और जनहित को हमेशा सर्वोपरि रखने वाले, मां भारती के सच्चे-सपूत, नए आधुनिक सशक्त शक्तिशाली भारत के शिल्पकार और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितंबर को जन्मदिन है। मैं उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आप दीर्घायु हों और सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें और देश का नाम रोशन करते रहें और हम भारतवासियों का मार्गदर्शन करते रहें। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने कार्यों के दम पर अब आधुनिक, सशक्त, शक्तिशाली नए भारत के शिल्पकार बन चुकें हैं, यह तथ्य अब किसी से भी छिपा हुआ नहीं है। कोई भी व्यक्ति राजनीतिक लाभ लेने के चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत के नव निर्माण के लिए दिये गये योगदान को कमतर आंकने का कार्य कर सकता है। लेकिन धरातल पर सच्चाई यह है कि नरेन्द्र मोदी ने देश में आजादी के दशकों बाद दूरदराज के दुर्गम इलाकों तक में भी हम भारतीयों के लिए विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का कार्य किया है, जो काबिले-तारीफ व अचंभित करने वाला है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आज बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव हो रहा है। रेलवे, हाईवे, एक्सप्रेस-वे, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन विश्व स्तरीय ढांचा तैयार किया जा रहा है। अभी तक के तैयार ढांचे ने ही देशवासियों के जीवन को बेहद सरल बनाते हुए देश के विकास को तेजी गति देते हुए धरातल पर समृद्धि को बढ़ावा देने का कार्य कर दिखाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत अब अगली पीढ़ी के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण करने में दिन-रात जुटा हुआ है। जो कार्य स्थिरता और दीर्घकालिक सोच से प्रेरित है। नरेन्द्र मोदी का यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार करने का कार्य बखूबी कर रहा है। देश में आधुनिक रेलवे स्टेशन, बंदरगाह, सड़क व रोपवे आदि जगह-जगह बन रहे हैं। पूरे देश में सड़क, हवाई, रेल व जल मार्ग से यात्रा व माल ढुलाई आदि की सुविधा को बेहतर किया जा रहा है। वैसे भी नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि - स्मार्ट शहर, सुरक्षित सड़कें और आसान यात्रा यही है नए भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर वादा। जिस वादे को नरेन्द्र मोदी धरातल पर साकार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण को वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम मानते हैं। देश की सीमाओं की रक्षा की बात करें तो नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश के वीर योद्धाओं के हाथ दुश्मन पर कार्रवाई के लिए पूरी आजादी के साथ खुले हुए हैं, जिसकी बानगी देश व दुनिया के लोग सर्जिकल स्ट्राइक व अभी हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर में देख चुके हैं।

वहीं आम-जनमानस के हित के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें मुख्य रूप से जन धन योजना, कौशल भारत मिशन, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, श्रमेव जयते योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, हृदय योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा

योजना, उजाला योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री ज्योति ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्मार्ट सिटी योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, स्वर्ण मुद्रीकरण योजना, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना, उदय, स्टार्ट- अप इंडिया, सेतु भारतम योजना, स्टैंड अप इंडिया, ग्रामोदय से भारत उदय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, नमामि गंगे योजना, पीएम सूर्य घर~ मुफ्त बिजली योजना, प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत योजना, आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना आदि योजनाएं हम भारतवासियों के जीवन स्तर में सुधार करते हुए उसे बेहतर बनाने कार्य कर रही हैं। वैसे कोई नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में लाख कमियां निकाले लेकिन जनता की अदालत की सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन-जन की आशा और राष्ट्र की आकांक्षा के प्रतीक बन चुकें हैं। देश व दुनिया के लोग देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में भारत का बहुत तेजी से सर्वांगीण विकास हो रहा है। नया भारत अब आत्मनिर्भरता, विकास और वैश्विक सम्मान की नई ऊंचाइयों को छूने का कार्य कर रहा है। मोदी के संकल्पित नेतृत्व में ही विकसित भारत की दिशा में राष्ट्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी के साथ मजबूत होती जा रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया के ताकतवर देशों को पीछे छोड़ रही है। देश में बहुत ही तेजी से विश्व स्तरीय सड़कों व एक्सप्रेस-वे का जाल बिछा कर के विकास पथ का निर्माण करते हुए विकास को तेज गति दी जा रही है, आज हमारा प्यारा देश भारत दुनिया के निवेशकों की पसंदीदा जगह बनता जा रहा है, भारत में अब तेजी से विदेशी कंपनियों के बड़े-बड़े कल-कारखाने खुलने लगें हैं। आर्थिक स्तर के मोर्चे के साथ-साथ सामरिक स्तर पर भी अब तो दुनिया भारत का लोहा मानने लगी है, दुनिया सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर में देश के वीर जांबाजों का दमखम देख चुकी है।

वैसे भी देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कार्यशैली के बलबूते देश की राजनीति को अपने इर्दगिर्द केन्द्रित रखते हुए आम जनमानस के दिलोदिमाग पर छा जाने का कार्य बेहद ही सफलता के साथ किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया की उन शख्सियतों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी कार्यशैली, मेहनत, वाकपटुता, मंत्रमुग्ध कर देने वाली करिश्माई भाषण शैली, राष्ट्रहित व जनहित के कार्यों के बलबूते लोगों के दिलों में जगह बनाने का कार्य किया है। जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी राजनीति के जबरदस्त प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्र में भी पिछले कई दशकों से लगातार महत्वपूर्ण पदों पर विराजमान हैं। वैसे तो नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में ही काम के दम पर एक बहुत लंबी रेखा खींचने का कार्य किया था, लेकिन वर्ष 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रधानमंत्री पद का दायित्व सम्हालने का कार्य किया था, उसके बाद तो उन्होंने फिर कभी पीछे मुड़कर ही नहीं देखा है। जिसके बाद से ही नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में दिन-प्रतिदिन तेजी से इजाफा हुआ है और वह भारत के साथ-साथ दुनिया भर में लोगों की पसंदीदा ताकतवर राजनीतिक शख्सियत बनकर के उभरे हैं, इसकी एक बानगी अभी हाल ही में दुनिया ने अमेरिका से टैरिफ विवाद के समय और चीन दौरे के समय देखी है, विवाद के बाद नरेन्द्र मोदी को अपने से दूर होता देखकर अब तो दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तक भी नरेन्द्र मोदी को अपना दोस्त बता रहे हैं और महान बता रहे हैं। संगठनात्मक स्तर की बात करें तो नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल करके पार्टी के भविष्य को पूरी तरह से ही बदल डालने का कार्य किया था। इसके बाद तो नरेन्द्र मोदी की लहर के दम पर ही देश के चुनावी मैदान में चुनाव दर चुनाव भाजपा जीतती गयी और केन्द्र व राज्यों की राजनीति से विपक्षी दलों का सफाया होता चला गया था। आज स्थिति यह हो गयी है कि प्रसिद्धि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहे हैं बल्कि वह दुनिया में भी बेहद लोकप्रिय होकर के विश्व की उन चंद ताकतवर अहम शख्सियतों में शामिल हो चुकें हैं, जिनकी राजनीति व कार्यशैली का लोहा देश-विदेश के ताकतवर लोग भी मान रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर भारत के लिए एक बहुत ही अच्छा सकारात्मक संदेश है।

हालांकि हर वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता को भुनाने के लिए उनके जन्मदिवस 17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर तक देश भर में 'सेवा पखवाडा' चलाने का फैसला किया है। इसमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, मैराथन, दिव्यांग शिविर आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अच्छे से जानते हैं कि इस अवसर को खूबसूरती के साथ एक सफल मेगा ईवेंट में किस तरह से बदला जा सकता है, इसलिए भाजपा 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से लेकर के 2 अक्टूबर तक पूरे देश में सेवा पखवाड़े पर जनहित के विभिन्न प्रकार के अभियान चलायेगी, जिससे आम जनमानस भाजपा के प्रति आकर्षित होकर मोदी मैजिक के दम पर उससे निरंतर जुड़ा रहे।

हालांकि देश में कुछ राजनीतिक लोगों व एक वर्ग विशेष के लोगों के बीच में ना जाने क्यों नरेन्द्र मोदी को निरंतर कमतर करके आंकने का प्रयास अभी भी जारी है। यह लोग वर्ष 2014 से ही मोदी को जनता की अदालत में एक असफल प्रधानमंत्री साबित करने के लिए उतावले हैं, लेकिन यह उतावलेपन में निरंतर अपने गिरेबान में झांक कर आत्ममंथन करना भूल जाते हैं। खैर जो भी हो पक्ष हो या विपक्ष का विरोधी हो अब वह जनता की अदालत इस सच्चाई से आसानी से मूंह नहीं मोड़ सकता है कि नरेन्द्र मोदी देश के लोकप्रिय नेता हैं और उनके नेतृत्व में देश में हर क्षेत्र में विश्व स्तरीय विकास की एक नयी गाथा लिखने का कार्य हो रहा है। देश के पूर्व, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण चंहु ओर तेजी के साथ मोदी राज में केंद्र के द्वारा सर्वांगीण विकास हो रहा है। आज केंद्र सरकार का तंत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतरिक्ष की ऊंचाईयों से लेकर के सागर की गहराईयों तक में जाकर के भारत की जनता के हित के लिए कार्य करने का काम बड़ी जिम्मेदारी व तत्परता के साथ कर रहा है और हमारे प्यारे देश भारत का सिस्टम यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल व ओजस्वी नेतृत्व में विश्व में सफलता के नित-नये आयाम स्थापित करते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। (लेखख अधिवक्ता, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या इथेनॉल मिले पेट्रोल से गाड़ी खराब होती है? या पेट्रोल लॉबी वाहन मालिकों को डरा रही है?

(नीरज कुमार दुबे)

इथेनॉल क्यों ज़रूरी है। यदि इस पर चर्चा करें तो आपको बता दें कि भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इससे न सिर्फ खज़ाने पर भारी बोझ पड़ता है बल्कि वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव का भी सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

भारत की ऊर्जा नीति आज एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है जहाँ जैव-ईंधन (बायोफ्यूल) न सिर्फ प्रदूषण कम करने का विकल्प है, बल्कि यह आयात पर निर्भरता घटाकर देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत कर सकता है। सरकार द्वारा पेट्रोल में 20त्न इथेनॉल मिश्रण (ई-20) लागू किए जाने के बाद यह बहस और तेज़ हो गई है कि क्या यह कदम व्यावहारिक और सुरक्षित है। इसी संदर्भ में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उन दावों को 'बकवास' करार दिया है जिनमें कहा गया था कि इथेनॉल मिश्रण से वाहनों के इंजन को नुकसान होता है।

भारत की ऊर्जा नीति आज एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है जहाँ जैव-ईंधन (बायोफ्यूल) न सिर्फ प्रदूषण कम करने का विकल्प है, बल्कि यह आयात पर निर्भरता घटाकर देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत कर सकता है। सरकार द्वारा पेट्रोल में 20त्न इथेनॉल मिश्रण (ई-20) लागू किए जाने के बाद यह बहस और तेज़ हो गई है कि क्या यह कदम व्यावहारिक और सुरक्षित है। इसी संदर्भ में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उन दावों को 'बकवास' करार दिया है जिनमें कहा गया था कि इथेनॉल मिश्रण से वाहनों के इंजन को नुकसान होता है।

इथेनॉल क्यों ज़रूरी है। यदि इस पर चर्चा करें तो आपको बता दें कि भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का लगभग 88त्न कच्चा तेल आयात करता है। इससे न सिर्फ खज़ाने पर भारी बोझ पड़ता है बल्कि वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव का भी सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में गन्ना, मक्का और अन्य अनाज से बनने वाला इथेनॉल एक सस्ता, घरेलू और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है। हम आपको बता दें कि 2014 में जहाँ पेट्रोल में इथेनॉल की हिस्सेदारी मात्र 1.4त्न थी, वहीं आज यह बढ़कर 20त्न तक पहुँच गई है। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत और हरित ऊर्जा संक्रमण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

हम आपको बता दें कि केपीएमजी के वार्षिक सम्मेलन एनरिच 2025 में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि इथेनॉल से इंजन खराब होने की सारी बातें 'बीएस' हैं– यानी बकवास हैं। उन्होंने साफ किया कि केवल पुराने वाहनों में कुछ रबर के पुर्ज़े और गैस्केट बदलने की आवश्यकता हो सकती है, पर तकनीकी रूप से यह कोई बड़ी चुनौती नहीं है। ब्राज़ील जैसे देशों के अनुभव भी यही साबित करते हैं कि इथेनॉल मिश्रण न केवल सुरक्षित है बल्कि टिकाऊ विकल्प है। हम आपको यह भी बता दें कि इस बहस का दूसरा पहलू है राजनीति। पिछले दिनों में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी पर आरोप लगाए गए कि उनकी परिवार-नियंत्रित कंपनी साइन एग्रो को इथेनॉल नीति से भारी लाभ हुआ है। कांग्रेस और कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों ने दावा किया कि कंपनी का टर्नओवर एक साल में 18 करोड़ से 723 करोड़ तक पहुँच गया। गडकरी ने इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित पेड कैंपेन बताया। उनका कहना है कि इथेनॉल से जुड़े टेंडर और मूल्य निर्धारण का फैसला कैबिनेट स्तर पर होता है, न कि व्यक्तिगत मंत्रियों द्वारा। उन्होंने कहा कि देश में 450-500 इथेनॉल उत्पादक कंपनियाँ हैं, जिनमें उनकी कंपनी की हिस्सेदारी 0.5 प्रतिशत से भी कम है।

विश्वेश्वरैया का सपना और आज की सफलता

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है। वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है। प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) मनाया जाता है और आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है। इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है। सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। दरअसल आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता।

(योगेश कुमार गोयल)

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है।

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है। वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है। प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) मनाया जाता है और आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है। इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है। सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। दरअसल आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता। मानव जीवन में रचनात्मक बदलाव का श्रेय इंजीनियरों को ही जाता है। देश की आजादी के बाद प्रतिभावान इंजीनियरों ने नए भारत के निर्माण तथा विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शहरों तथा गांवों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुलों, सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना के निर्माण के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। देश में प्रतिवर्ष अभियंता दिवस इसीलिए मनाया जाता है ताकि देशभर के इंजीनियरों को प्रोत्साहित किया जा सके और हमारे इंजीनियर अपने ज्ञान और कौशल की बदौलत देश को तरक्की की नई राह पर आगे ले जाएं। इंजीनियरिंग के बारे में अमेरिका के जाने-माने इंजीनियर हेनरी पेट्रोस्की ने कहा था कि विज्ञान का अर्थ है जानना जबकि इंजीनियरिंग का अर्थ है करना अथवा करके दिखाना।

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'डीप टेक और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता~ भारत के टेकएड को आगे बढ़ाना' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो भारत की तकनीकी यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रही है। भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वककर्मा भी कहा जाता है। देशभर में बने कई नदियों के बांधों और पुलों को सफल बनाने के पीछे कर्नाटक में मैसूर के कोलार जिले में 15 सितम्बर 1860 को जन्मे विश्वेश्वरैया का बहुत बड़ा योगदान रहा। एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश में मैसूर में कृष्णाराज सागर बांध, पुणे के खड़कवासला जलाशय में बांध, ग्वालियर में तिगरा बांध इत्यादि कई महत्वपूर्ण बांध बनवाए। हैदराबाद शहर को बनाने का पूरा श्रेय भी 'फादर ऑफ मॉडर्न मैसूर स्टेट' कहे जाने वाले विश्वेश्वरैया को ही जाता है। दरअसल मैसूर सरकार के साथ मिलकर उन्होंने मैसूर संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूर आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, मैसूर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, परजीवी प्रयोगशाला, श्री जयचमराजेंद्र पॉलीटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सेंचुरी क्लब इत्यादि कई फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करवाई थी।

विश्वेश्वरैया द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण देश आज गर्व का अनुभव करता है। उन्होंने एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की थी, जिसके बाद वे देशभर में विख्यात हो गए थे। विशाखापत्तनम बंदरगाह की समुद्री कटाव से सुरक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। घर-घर में प्राकृतिक जल स्त्रोतों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करने के अलावा गंदे पानी की निकासी के लिए नाली-नालों की समुचित व्यवस्था भी विश्वेश्वरैया ने ही की थी। तिरुमला और तिरुपति के बीच सड़क निर्माण के लिए योजना को अपनाने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई थी। उनके इन प्रयासों ने ही आधुनिक भारत की रचना करने के साथ देश को एक नया रूप भी प्रदान किया। 1955 में उन्हें सर्वोच्च भारतीय सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एम विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर वर्ष 1968 में उनकी जन्मतिथि को भारत सरकार द्वारा 'अभियंता दिवस' घोषित किया गया। तभी से प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस वास्तव में देश के विकास में योगदान देने और देश का मान बढ़ाने वाले इंजीनियरों के सम्मान में समर्पित होता है। शुरुआती पढ़ाई मैसूर में करने के बाद विश्वेश्वरैया ने 1881 में मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके बाद मैसूर सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना के साइंस कॉलेज में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया। 1883 की एल.सी.ई. और एफ.सी.ई. परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी योग्यता को देखते बॉम्बे सरकार ने उन्हें नासिक में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया। एक इंजीनियर के रूप में उसके बाद उन्होंने अनेक अद्भुत कार्यों को अंजाम दिया। विश्वेश्वरैया एक आदर्शवादी और अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे, जो अपने हर कार्य को परफैक्शन के साथ करते थे। 92 वर्ष की आयु में भी वे बिना किसी सहारे के चलते थे और सामाजिक तौर पर सक्रिय रहते थे।

कोई भाषण देने से पहले वे स्वयं उसे लिखते थे और फिर कई बार उसका अभ्यास करते थे। अपनी योग्यता से उन्होंने बड़े-बड़े ब्रिटिश इंजीनियरों के समक्ष भी अपनी योग्यता और प्रतिभा का लोहा मनवाया। 1905 में उन्हें ब्रिटिश शासन द्वारा 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एंपायर' से सम्मानित किया गया था। विश्वेश्वरैया वर्ष 1912 से 1918 तक मैसूर के 19वें दीवान रहे।

गुंडाधुर महाविद्यालय के छात्र कार्तिक मंडावी और सौरभ कुमार का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन

किरंदुल। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव के बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र कार्तिक मंडावी एवं बी.एस.सी. प्रथम वर्ष के छात्र सौरभ कुमार का चयन छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कबडडी (पुरुष) प्रतियोगिता हेतु किया गया है। दोनों खिलाड़ी उत्तर बस्तर सेक्टर की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह चयन हाल ही में शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर में आयोजित सेक्टर स्तरीय कबडडी प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 25 सितम्बर 2025 तक दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर में किया जाएगा, जिसमें कुल 11 सेक्टरों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता पूर्व खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण हेतु 21 से 23 सितम्बर तक शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी एच.आर. यदु ने बताया कि प्राचार्या डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से महाविद्यालय में जुलाई माह से ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित सभी खेलों का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। इसी सतत परिश्रम का परिणाम है कि छात्र-छात्राएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। खिलाड़ियों के इस चयन पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित की हैं। सभी ने आशा व्यक्त की है कि दोनों खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेंगे।

पीड़िता का दैहिक शोषण करने वाले आरोपी के खिलाफ त्वरित कार्यवाही किया गया

कोण्डागांव। प्रार्थिया ने लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि अप्रैल 2022 में आरोपी राजेन्द्र पोयाम निवासी मालगांव बुडरापारा थाना अनंतपुर द्वारा इसे शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया तथा गर्भवती होने पर दो बार टेबलेट देकर गर्भपात कराया कि प्रार्थिया के रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 29/2025 धारा- 376(2)(ढ), 313 भादवि. कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना की गम्भीरता को देखते हुए वाय अक्षय कुमार पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल के मार्गदर्शन में, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) रूपेश कुमार पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक कोमल प्रसाद राठौर के नेतृत्व में अनंतपुर पुलिस द्वारा टीम गठित कर कोण्डागांव, 21 सितंबर को आरोपी के सकुनत पर दबिश देकर आरोपी राजेन्द्र पोयाम पिता जुगधर पोयाम उम्र 28 वर्ष साकिन मालगांव बुडरापारा थाना अनंतपुर जिला कोण्डागांव को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर न्यायालय कोण्डागांव के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

शारदीय नवरात्रि की घटस्थापना, शीतला माता मंदिर में अखंड ज्योति प्रज्वलित

कोण्डागांव। आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि पर शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ कोण्डागांव के बाजार परिसर स्थित शीतला माता मंदिर (ग्राम देवी माता गुड़ी) में श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर परंपरागत विधि-विधान से नवरात्रि-घटस्थापना की गई और अखंड ज्योति प्रज्वलित कर देवी आराधना का शुभारंभ किया गया। मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने मनोकामना ज्योति कलश के लिए संकल्प लेकर ज्योत प्रज्वलित की। नौ दिनों तक माता रानी की आराधना के साथ मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहेगा। इस बार का नवरात्रि विशेष माना जा रहा है क्योंकि प्रतिपदा के दिन से ही सोमवार और शुभ योग का संयोग बन रहा है, जिसे शक्ति साधना के लिए अत्यंत फलदायी माना गया है। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालु व्रत-उपवास के साथ देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना करेंगे और प्रतिदिन अलग-अलग रूपों में माता की आराधना की जाएगी।

गायता ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए वन मंत्री कश्यप

कोण्डागांव। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप कोंडागांव जिले के ग्राम करिया कांटा और मुँगवाल में आयोजित गायता जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में वन मंत्री कश्यप ने समाज के इष्ट देवी देवताओं की पूजा अर्चना की और क्षेत्रवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही उन्होंने मूंगवाल में 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित सर्व आदिवासी समाज भवन का लोकार्पण किया और विभिन्न विकास कार्यो की स्वीकृति भी दी। वन मंत्री केदार कश्यप ने सभी को गायता जोहारनी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी परम्परा बहुत पुरानी और समृद्ध है। आदिवासियों की खान पान, रहन सहन, वेशभूषा की अलग ही पहचान है। उन्होंने कहा कि हमें अपने इस पुरातन संस्कृति और समृद्ध परंपराओं को संरक्षित करना है और भावी पीढ़ी तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आदिवासियों के विकास और सशक्तिकरण के लिए भगवान बिरसा मुंडा के नाम से धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत की गई है। शासन द्वारा आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए पेसा कानून, पांचवी अनुसूची और वन अधिकार सहित कई प्रावधान किए गए हैं।

हाई स्कूल चलका का हायर सेकेंडरी में उन्नयन की घोषणा – वन मंत्री कश्यप ने ग्राम करियाकांटा में 20 लाख रूपए की लागत से डोम शेड और 30 लाख रूपए की लागत से बाजार शेड निर्माण की घोषणा की। इसी प्रकार मूंगवाल में डोम निर्माण, केजंग में माता गुड़ी निर्माण, पेरमा पाल में 2 नाग पुलिया निर्माण, राज बेड़ा मार्ग में सी सी सड़क, मूंगवाल में गोटूल भवन, बयानार धान खरीदी केंद्र में शेड निर्माण हाई स्कूल चलका का हायर सेकेंडरी में उन्नयन और राज बेड़ा मंदिर में सांस्कृतिक भवन निर्माण की घोषणा की। ग्राम करियाकांटा में बम्हनी परगना के 22 गांवों के ग्रामीण जन शामिल हुए, वहीं ग्राम मूंगवाल में आयोजित कार्यक्रम में चलका परगना अंतर्गत गांवों के ग्रामीण जन सम्मिलित हुए।

यह सड़क अबूझमाड़ को मुख्य मार्ग से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगी : केदार कश्यप

- गढ़बेंगाल-धौड़ाई छोटेडोंगर मार्ग को मिली 105.22 करोड़ की स्वीकृति

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने नारायणपुर जिले के लिए एक बड़ी सौगात की घोषणा करते हुए गढ़बेंगाल-धौडाई छोटेडोंगर-मार्ग (किमी 32.60) के मजबूतीकरण एवं पुनर्निर्माण हेतु 105.22 रु. करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। यह सड़क अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र को मुख्य मार्ग से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगी।

इस ऐतिहासिक फैसले पर राज्य के वन, परिवहन एवं सहकारिता मंत्री व नारायणपुर विधायक केदार कश्यप ने कहा कि यह केवल सड़क नहीं, वर्षो की जनभावनाओं और संघर्ष की जीत है। विपक्ष में रहते हमने कई बार आंदोलन किए, प्रदर्शन किए, और यह स्वीकृति पूरे क्षेत्रवासियों के संघर्ष को न्याय देती है। मंत्री कश्यप ने आगे कहा कि यह स्वीकृति पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा के नेता स्व. रतन दुबे, भाजपा नेता स्व. सागर साहु एवं भाजपा नेता स्व. कोमल मांझी को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस मार्ग को लेकर बार-बार आवाज उठाई थी। यह सड़क न केवल ग्रामीणों को राहत देगी, बल्कि इस रूट से रोजाना चलने वाली सैकड़ों माइंस ट्रकों की सुविधा को भी मजबूत बनाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक सेवाएं और रोज़गार के अवसरों तक पहुंच अब सहज हो सकेगी। यह महत्वपूर्ण फैसला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की विकासपरक सोच तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के समन्वित प्रयासों का प्रतिफल है।

शारदीय नवरात्रि पर्व के अवसर पर श्री राघव मन्दिर किरंदुल में 339 ज्योति कलश प्रज्ज्वलित की गई

किरंदुल। नगरपरिवार, छत्तीसगढ़ प्रदेश, भारत देश एवं विश्व कल्याण की मंगल कामनाओं सहित बैलाडीला देवस्थान समिति श्री राघव मन्दिर के द्वारा आश्विन शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 के सुअवसर पर शुभ मुहूर्त में घटस्थापना की गई। लौह नगरी के आस्था के प्रमुख केंद्र श्री राघव मंदिर में प्रति वर्ष की भांति इस नवरात्रि पर्व में श्रद्धालुओं द्वारा 339 ज्योति कलश प्रज्जवलित किये गए हैं। बैलाडीला देवस्थान समिति श्री राघव मंदिर एवं गायत्री परिवार के पदाधिकारियों, सदस्यों, नगर परिवार की मातृशक्तियों की उपस्थिति में श्री राघव मन्दिर के प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ल द्वारा विधिविधान से घट स्थापना की गई।

विधायक किरण देव ने नवरात्रि के अवसर पर पदयात्री सेवा केंद्रों का किया उद्घाटन

जगदलपुर। नवरात्रि पर्व के पहले दिन विधायक जगदलपुर किरण देव ने बस्तर में विभिन्न पदयात्री सेवा केंद्रों का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ उदघाटन किया। इन केंद्रों का उद्देश्य नवरात्रि के दौरान पदयात्रियों को निःशुल्क सेवाएँ प्रदान करना है। नवरात्रि के अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठन और व्यावसायिक संगठन मिलकर पदयात्रियों के लिए सेवा केंद्र स्थापित करते हैं। इसी क्रम में श्री किरण देव ने जिया डेरा में आंध्र समाज और तितली गार्डन, डिमरापाल एवं केशलूर में बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा संचालित सेवा केंद्रों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर किरण देव ने छत्तीसगढ़ और बस्तर के निवासियों को नवरात्रि और बस्तर दशहरा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने पदयात्री सेवा केंद्रों में सेवा कार्य करने वाले सभी संगठनों और लोगों की सराहना की और उन्हें साधुवाद दिया। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्याम सोमानी और अन्य प्रमुख पदाधिकारी पुखराज बोथरा, पी जयंत राव नायडू, यशवर्धन राव, राजेश श्रीवास्तव, विमल बोथरा, जयराम और रोशन झा भी उपस्थित थे।

पुलिस ने 52 पत्ती से हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेलने वालों को दबोचा

कोण्डागांव। बहीगांव मंडली पारा खेत बाड़ी के पास में कुछ जुवाडीया रूपये पैसे की दांव लगाकर 52 पत्ती ताश से जुआ खेल रहे हैं कि मुखबीर सूचना पर वरिष्ठ अधिकारी पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार व अति पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अरुण नेताम के दिशा-निर्देशन पर थाना प्रभारी केशकाल ज्ञानेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में उप निरीक्षक अखिलेश धीवर के हमराह में थाना स्टाफ पुलिस टीम तैयार कर ग्राम बहीगांव मंडलीपारा में पंहुचकर रेड कार्यवाही किये जहां कुछ लोग् चटाई बिछाकर बैठकर 52 ताश के पत्ती से रूपये पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे जिसे घेराबंदी कर कुल 08 व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए पकड़े आरोपियों के फड़ और पास से नगद 7250/-रू. व 52 पत्ती तास, एवं चटाई जप्त कर आरोपी बीड़ेराम नेताम पिता मंगलू राम नेताम उम्र 32 साल ग्राम मसूकोड़ा थाना फ़रसगांव, लीलेंद्र निषाद पिता गोविंद निषाद उम्र 39 साल ग्राम मसूकोकोड़ा थाना फ़रसगांव, मुकेश गौड़ पिता उग्रस गौर उम्र 35 साल ग्राम मण्डली पारा बहीगांव, खे़म नेताम पिता गंगा राम नेताम उम्र 54 साल ग्राम बहीगांव, राजेंद्र विश्वकर्मा पिता पतीराम उम्र 51 साल बहीगांव, विष्णु पटेल पिता लखनलाल उम्र 43 साल ग्राम बहीगांव, तुषार कांत पटेल पिता स्वर्गीय रामचरण उम्र 46 साल ग्राम पिपरा थाना फरस गांव, सुनील गौर पिता दृग भान उम्र 32 साल ग्राम बहीगांव सभी जिला कोंडागांव,को गिरफ्तार कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

कुआकोण्डा में विकासखंड स्तरीय विज्ञान एवं गणित की क्वीज प्रतियोगिता सम्पन्न

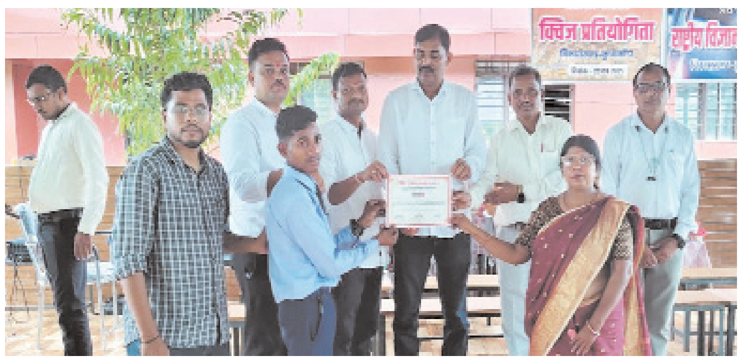

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले के कुआकोण्डा में विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत विज्ञान एवं गणित की क्विज प्रतियोगिता, राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन सोमवार किया गया। इसमें संकुल के अंतर्गत समस्त माध्यमिक एवं हाई हायर सेकेंडरी के छात्र-छात्राएं शामिल हुए सभी छात्र-छात्राओं से गणित एवं विज्ञान के सवाल पूछे गए एवं सभी को उसके महत्व से अवगत कराया गया कुछ छात्र छात्राओं के द्वारा मॉडल का निर्माण किया गया था जिसे वहां प्रदर्शनी पर लगाया गया मुख्य अतिथिओ के द्वारा विज्ञान मॉडल का अवलोकन किया गया और सभी को उनके अनुसार अंक प्रदान किए गए। प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष शिक्षा समिति सभापति कुआकोंडा दीपिका सुमित भदोरिया विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद सिंह भदौरिया सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज सिंह राठौर खंड स्त्रोत समन्वयक रत्तू राणा, शिक्षक शिक्षिकाएं एवं बच्चे शामिल हुए।

किरंदुल मुक्तिधाम निर्माण को मिली गति, पीएमओ और जिला प्रशासन की तत्परता से उम्मीदें जगी : जोशी

किरंदुल। पाधापुर मुक्तिधाम के अधूरे निर्माण कार्य और बैलाडीला में आधुनिक श्मशान घाट की स्थापना को लेकर लंबे समय से उठ रही मांगों को आखिरकार प्रशासनिक संज्ञान मिला है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रवेश कुमार जोशी द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई विस्तृत शिकायत (पंजीकरण क्रमांकः PMOPG/E/2025/ 0098703) पर अब ठोस कार्यवाही शुरू हो चुकी है। मामला यह था कि जोशी ने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि 03.09.2024 को रु. 39.70 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बावजूद, अब तक केवल 10.36 लाख का कार्य ही पूर्ण हुआ है। उन्होंने मुक्तिधाम में पाँच प्रमुख सुधारों की मांग की थी, पुराने शेड को मजबूत संरचना से बदलना, अंतिम संस्कार सामग्री हेतु समर्पित टैंक का निर्माण, रात्रिकालीन अंतिम संस्कार हेतु विद्युत/ सौर लाइट की व्यवस्था, स्वच्छता और हरियाली के लिए भू-दृश्य उद्यान, मुक्तिधाम अंकित लोहे के द्वार की स्थापना,साथ ही, बैलाडीला क्षेत्र में एक आधुनिक, स्वच्छ और सांस्कृतिक रूप से सम्मानजनक श्मशान घाट की स्थापना की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई थी। पीएमओ से प्राप्त शिकायत के आधार पर, जिला प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया है। नगरपालिका परिषद किरंदुल द्वारा संयुक्त कलेक्टर को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि पाधापुर मुक्तिधाम का विकास कार्य पूर्व में जनपद पंचायत दंतेवाड़ा द्वारा प्रस्तावित किया गया था, और अब इसे आगे बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। प्रवेश कुमार जोशी ने प्रधानमंत्री कार्यालय, छत्तीसगढ़ प्रशासन और जिला कलेक्टर का उचित कार्यवाही के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने प्रार्थना के साथ आशा जताई है कि नगरवासियों को दीपावली से पूर्व ही एक स्वच्छ, सुसज्जित और सम्मानजनक मुक्तिधाम की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही, बैलाडीला में आधुनिक श्मशान घाट की स्थापना से क्षेत्रीय नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही असुविधाओं से राहत मिलेगी। यह पहल न केवल एक बुनियादी आवश्यकता की पूर्ति है, बल्कि यह स्थानीय प्रशासन और नागरिकों के बीच सहयोग की मिसाल भी बन रही है। उम्मीद है कि यह कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण होकर जनसेवा का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

जिला पंचायत सीईओ ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले सचिवों पर कार्यवाही के दिए निर्देश

किरंदुल। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई ने ग्राम पंचायत छोटे सलना, कावरा, तमरावंड में बन रहे प्रधानमंत्री आवास एवं आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान फील्ड पर ग्राम पंचायत सचिव छोटे सलना अनुपस्थित रहने पर सचिव पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही ग्राम पंचायत कावरा के सचिव के द्वारा 15 वे वित्तीय योजना में लापरवाही और आंगनबाड़ी निर्माण कार्य में प्रगति नहीं लाने पर सचिव को फटकार लगाई। ग्राम पंचायत तमरावंड सचिव के द्वारा सेग्रीगेशन शेड निर्माण कार्य को 1 साल से अधिक समय से बंद रहने तथा प्रधानमंत्री आवास निर्माण का निरीक्षण नहीं करने पर सीईओ जिला पंचायत के द्वारा नाराजगी व्यक्त किया गया। साथ ही संबंधित सचिवों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

संक्षिप्त समाचार

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों के छानबीन के क्रम में सात दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। फिलहाल 3 आवेदकों ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किये हैं। डीईओ ने बताया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला चांटीडीह में में शिक्षक पद पर कार्यरत स्व. श्रीमती राधिका पाण्डेय के परिवार से उनके पुत्र श्री नीरज कुमार पाण्डेय, शासकीय प्राथमिक शाला दुर्गडीह में सहायक शिक्षक एल.बी. के पद पर कार्यरत स्व. श्री मुन्ना लाल कौशिक के पुत्र श्री संजीव कुमार एवं कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी तखतपुर में कार्यरत सहायक ग्रेड 3 स्व. श्री ओमप्रकाश साहू के परिवार से उनके पुत्र श्री यश साहू ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आमजनों की जानकारी में यदि दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों में यदि कोई सदस्य राज्य अथवा केन्द्र की शासकीय सेवा में कार्यरत होने की सूचना है, तो वे सात दिवस के भीतर पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग स्थित कक्ष क्रमांक 25, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक के जरिए जानकारी दे सकते हैं ताकि नियमानुसार पात्र व्यक्ति को ही अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जा सके।

बाढ़ आपदा एवं गैस रिसाव से बचाव के लिए मॉक ड्रिल 25 को

बिलासपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में अरपा नदी छठघाट तोरवा में बाढ़ आपदा प्रशिक्षण एवं एनटीपीसी सीपत में क्लोरीन गैस लीकेज के संबंध में मॉक ड्रिल आयोजित किया जाएगा। उक्त दोनों प्रशिक्षण 25 सितम्बर को सवेरे 10 बजे से निर्धारित स्थान पर होंगे। कोई भी व्यक्ति इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रक्रिया का अवलोकन एवं जानकारी प्राप्त कर सकते है।

सीतापुर वन परिक्षेत्र में हाथी गिरा पुराने कुएं में, रेस्क्यू अभियान जारी

अंबिकापुर। सरगाखेजुरपारा गांव में सोमवार सुबह एक जंगली हाथी पुराने और गहरे कुएं में गिर गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना सीतापुर वन परिक्षेत्र की है, जहां एक किसान के घर के पास से गुजरते समय हाथी फिसलन भरे सकरे रास्ते पर चलते हुए संतुलन खो बैठा और रास्ते के किनारे स्थित मिट्टी के पुराने कुएं में जा गिरा। हाथी के गिरने की तेज आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। खबर मिलते ही फॉरेस्ट विभाग की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। फिलहाल हाथी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू टीम पूरी मुस्तैदी से प्रयास कर रही है। कुएं की गहराई और रास्ते की स्थिति को देखते हुए बचाव कार्य में सावधानी बरती जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाथी की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और उसे सुरक्षित निकालने की हर संभव कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों ने भी रेस्क्यू में सहयोग किया है और घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बचाव कार्य में बाधा न डालें और दूरी बनाए रखें।

खेत से लौटते वक्त लोनर हाथी ने ग्रामीण को पटककर मार डाला इलाके में दहशत का माहौल

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत पसान वन परिक्षेत्र के तनेरा गांव में रविवार दोपहर एक दर्दनाक घटना हुई, जब एक लोनर (अकेला) जंगली हाथी ने एक ग्रामीण पर हमला कर दिया। हाथी के हमले में 45 वर्षीय धन सिंह गोंड़ की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा गांव के गोरिल्ला डांड़ इलाके में उस समय हुआ, जब धन सिंह खेत से लकड़ी लेकर घर लौट रहा था। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 2:30 बजे धन सिंह जंगल से जलाऊ लकड़ी लेकर अपने घर की ओर लौट रहा था, तभी रास्ते में उसका सामना एक अकेले विचरण कर रहे हाथी से हो गया। उसने भागकर जान बचाने की कोशिश की, लेकिन हाथी ने उसे सूंड में जकड़कर जमीन पर पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पसान रेंजर मनीष सिंह ने बताया कि हमलावर हाथी को जंगल की ओर खदेड़ दिया गया है। विभाग द्वारा मृतक के परिवार को तात्कालिक सहायता के रूप में 25 हजार रुपये की राहत राशि दी गई है। साथ ही ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने और सतर्कता बरतने की समझाइश दी गई है। अधिकारी ग्रामीणों से पूरी घटना की जानकारी जुटा रहे हैं और आगे की प्रक्रिया जारी है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। लगातार हाथियों की आवाजाही और हमलों से वे दहशत में हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाता, तो वे गांव छोड़ने को मजबूर हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महतारी सदन का किया वर्चुअली लोकार्पण

सेमरताल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय राज्यमंत्री

- जिले में 19 महतारी सदन स्वीकृत, 4 सदन पूर्ण
- नारी शक्ति को समर्पित योजना से ग्रामीण महिलाओं को मिलेगा आत्मनिर्भरता का संबल

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज धमतरी जिले के मगरलोड विकासखण्ड के करेली बड़ी गांव से बिलासपुर सहित प्रदेश के 51 महतारी सदनों का लोकार्पण किया। जिले के विकासखण्ड बिल्हा के सेमरताल में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू शामिल हुए। यहां सभी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को वर्चुअली सुना। जिले में सेमरताल, लगरा, लखराम एवं सागर में बन चुके महतारी सदन का भी लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम में तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ललीता संतोष कश्यप, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अम्बिका साहू, तखतपुर जनपद अध्यक्ष श्रीमती माधवी संतोष वस्त्रकार, बिल्हा जनपद अध्यक्ष श्री रामकुमार कौशिक, श्री मोहित जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और समूह की दीदियां एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान शुरू की गई महतारी सदन योजना को प्रदेश की माता और बहनों की तरक्की के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को महिला केंद्रित विकास का मॉडल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महतारी सदन शिक्षा, कौशल और उद्यमिता के द्वार खोलेंगे। उन्होंने कहा कि

इन सदनों में महिला स्व सहायता समूह को जोड़कर आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। सेमरताल में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि यह पहल गांव की माताओं और बहनों को आत्मनिर्भर और स्वालंबी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति के संकल्प को साकार करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की यह योजना प्रशंसनीय है। इससे महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त होंगी बल्कि समाज में उनकी भागीदारी और नेतृत्व भी सुदृढ़ होगा। हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता"। हमारी सरकार भी इसे आधार बनाकर लगातार महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है। कार्यक्रम में विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने कहा कि महतारी सदन का अपना महत्व है। यह न केवल ईमारत नहीं है बल्कि महिलाओं की जागृति का केंद्र बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम कर रहे है। सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि जिले में 19 महतारी सदन स्वीकृत किये गये है, जिनमें से 4 महतारी सदन पूर्ण कर लिए गए है। महतारी सदन में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय भी तैयार किया जा रहा है। यह महतारी सदन महिलाओं के आजीविका केंद्र के रूप में विकसित होगा। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा में शामिल हुए केंद्रीय राज्य मंत्री – केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू सेमरताल में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्कूल परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया।

स्वास्थ्य व शिक्षा को बढ़ावा: एसईसीएल ने 75 लाख के दो सीएसआर समझौते किए....

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के तहत बिलासपुर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और शैक्षणिक अवसंरचना के उन्नयन हेतु कुल 75.13 लाख रुपये के दो समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। आज एसईसीएल मुख्यालय में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास की उपस्थिति में ये एमओयू संपन्न हुए। पहला एमओयू बिलासपुर स्थित रामकृष्ण मिशन के साथ किया गया, जिसके अंतर्गत मां सारदा चैरिटेबल डिस्पेंसरी के लिए 61.96 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस सहयोग से दंत चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, नेत्र देखभाल, पैथोलॉजी और ओपीडी सेवाओं हेतु उपकरण खरीदे जाएंगे, जिनसे बिलासपुर शहर एवं आसपास के ग्रामीण तथा झुग्गी बस्तियों के गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों को लाभ मिलेगा। दूसरा एमओयू शासकीय ई. राघवेंद्र राव पीजी साइंस कॉलेज, बिलासपुर के साथ किया गया। इसके अंतर्गत 13.17 लाख रुपये की सहायता से एम.एस.सी. भौतिकी कक्षा एवं प्रयोगशाला का उन्नयन किया जाएगा। यह पहल विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं शोध सुविधाएँ उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर श्री सी.एम. वर्मा, महाप्रबंधक (सीएसआर), सीएसआर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही रामकृष्ण मिशन एवं शासकीय ई. रघवेन्द्र राव पीजी साइंस कॉलेज के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

अंतर्जातीय दहेज-मुक्त विवाह संपन्न-संत रामपाल महाराज...

कोरबा। समाज में फैली दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफएक सकारात्मक संदेश देते हुए नगर पंचायत करतला के सामुदायिक भवन में संत रामपाल महाराज के सानिध्य में जिला स्तरीय आध्यात्मिक सत्संग एवं एक जोड़ी अंतर्जातीय दहेज-मुक्त विवाह का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे और इस अनूठी पहल को सराहनीय करार दिया। इस विवाह में कोरबा जिले की भक्तमती दामिनी महंत ग्राम चचिया और महासमुंद जिले के भक्त देवेंद्र चैहान ग्राम छिलपावन ने सात जन्मों का बंधन स्वीकार किया। वर-वधू के माता-पिता व रिश्तेदारों की उपस्थिति में यह आयोजन सादगीपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। दहेज रहित इस विवाह को देखकर उपस्थित लोगों ने इसे समाज के लिए प्रेरणा बताया। संत रामपाल महाराज के अनुयायियों द्वारा विवाह 'रमैणी' पद्धति से संपन्न कराया गया। यह शास्त्र-आधारित पद्धति है जिसमें 33 करोड़ देवी-देवताओं का आह्वान कर मात्र 17 मिनट में विवाह संपन्न हो जाता है। इस विधि में न तो फिजूल खर्च होता है और न ही कोई आडंबर। दहेज-मुक्त विवाह की विशेषता अंतर्गत दहेज का लेन-देन नहीं होने से गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ समाप्त होता है। सादगीपूर्ण समारोह में बिना दिखावे और आडंबर के कार्यक्रम संपन्न। शास्त्रीय परंपरा पर आधारि अंतर्गत विवाह को धार्मिक एवं सामाजिक आधार प्राप्त। कुरीतियों का अंत के तहत दहेज प्रथा मिटाने का सशक्त संदेश। नई पीढ़ी के लिए मिसाल युवाओं को समानता और सादगी अपनाने की प्रेरणा आदि हैं। इस अवसर पर जगतदास महंत, अजय कुर्रे, धरमदास, सुमरन सिंह कंवर, इतवारी साहू, दिलीप बारेठ, बाबू दास, पंचराम पाटिल, उमाशंकर, शिवनारायण जगत, संतोष एडवोकेट, विनोद, गया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। विवाह समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि दहेज प्रथा समाज में विभाजन और आर्थिक असमानता को बढ़ावा देती है। ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा देने वाले हैं। संत रामपाल महाराज की यह पहल निश्चित रूप से दहेज जैसी कुरीतियों के उन्मूलन में मील का पत्थर साबित होगी। यह आयोजन न केवल दो परिवारों का मिलन रहा, बल्कि पूरे समाज के लिए एक मजबूत संदेश भी बना कि सादगी और दहेज-मुक्त विवाह ही समय की सच्ची आवश्यकता है।

जीएसटी रिफार्म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश वासियों को नवरात्रि,दिवाली गिफ्ट...

कोरबा । उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने जिले और प्रदेश वासियों को श्री अग्रसेन जयंती और शारदीय नवरात्री की बधाई एव शुभकामनाएं देते हुए कहा की यह पर्व इस बार सभी परिवार जनों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लेकर आएगा । मंत्री श्री देवांगन ने कहा की उपभोक्ताओं ,किसानों कारोबारियों और आम परिवारों तक सभी को राहत देने वाले जीएसटी रिफार्म का लाभ 22 सितम्बर से यानी शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन से मिलेगा । इस दिन से जीएसटी बचत उत्सव शुरू होने जा रहा है । नई जीएसटी दरों के माध्यम से व्यापार को गति मिलेगी। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर लगने वाला जीएसटी पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा दवाइयों, ऑक्सीजन और जांच किट पर भी टैक्स घटाया गया है। इससे इलाज सस्ता होगा और हर सामान्य नागरिक को राहत मिलेगी। सरकार ने वाहनों की खरीद-फरोख्त पर भी राहत दी है। पहले कार

और बाइक पर 28: जीएसटी लगता था, अब इसे घटाकर 18: कर दिया गया है। यानी सीधे 10: की कटौती। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि इस निर्णय से न केवल आम नागरिक की गाड़ी खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, बल्कि ऑटोमोबाइल सेक्टर को भी बढ़ावा मिलेगा। उत्पादन बढ़ेगा, नए रोजगार उत्पन्न होंगे और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। मंत्री श्री देवांगन ने जीएसटी रिफॉर्म्स को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देशवासियों को नवरात्रि और दीपावाली गिफ्ट बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का यह निर्णय व्यापार को गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि पहले चार स्लैब 5:, 12:, 18: और 28: लागू थे, लेकिन अब सिर्फ दो स्लैब 5: और 18: रखा गया है। 12: और 28: की दरें समाप्त कर दी गई हैं। इससे आम उपभोक्ता को सीधी राहत मिलेगी। रसोई से लेकर कृषि, मकान निर्माण से लेकर बड़े हाईवे और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, उद्योग और व्यापार हर क्षेत्र को लाभ मिलेगा। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि एक सामान्य गृहस्थ परिवार को अब घरेलू खर्चों में सीधी राहत मिलेगी। दूध, दही, पनीर, शैम्पू, टूथपेस्ट, साबुन, साइकिल और बच्चों से जुड़े सामान पर केवल 5: या शून्य टैक्स लगेगा। इससे न सिर्फ रोजमर्रा के खर्च कम होंगे बल्कि उपभोक्ता की क्रय क्षमता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति ज्यादा खरीद सकेगा तो खपत बढ़ेगी और बाजार में मांग बढ़ने से उत्पादन में और तेजी आएगी।

अब हमारा भी है एक ठिकाना:महतारी सदन बना बिहान दीदियों की उम्मीदों का नया घर

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल के लिए दीदियों ने जताया आभार

बिलासपुर। स्व सहायता समूह की बिहान दीदियों के लिए कभी छोटी-सी बैठक भी बड़ी चुनौती हुआ करती थी। समूह की गतिविधियाँ हों या संकुल बैठकें, उन्हें गांव के पंचायत भवन या किसी के घर पर जगह मांगनी पड़ती थी। कई बार अन्य बैठक होने पर जगह न मिलने पर बैठकें टल जाती थीं और उन्हें बैठक के लिए भटकना पड़ता था।बहुत बार उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम भी बाधित हो जाते थे, इससे उनके संगठन की गति धीमी हो जाती और उनका आत्मविश्वास भी कम हो जाता था। महतारी सदन ने अब दीदियों की इस बड़ी चिंता को दूर कर दिया। अब उन्हें अपनी बैठकों और कार्यक्रमों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। इस सदन में न केवल संगठनात्मक बैठकें कर पाएंगें बल्कि बेहतर प्रशिक्षण से अपने कौशल को और भी निखार पाएंगी। दीदियों ने इस संवेदनशील पहल के लिए प्रदेश के मुखिया श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। ग्राम सेमरताल की दीदी सरस्वती धीवर ने कहा कि अब हमें ऐसा लगता है मानो हमारा अपना घर हो, जहां हम न सिर्फबैठकर चर्चा करते हैं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने की योजना भी बनाते हैं। इस तरह ग्राम जलसों की श्रीमती लता सूर्यवंशी ने कहा कि अब समूह की महिलाओं को अपनी गतिविधि, बैठक के लिए किसी से जगह नहीं मांगनी पड़ेगी, अपनी जगह मिलने से उनमें एक नया आत्मविश्वास का संचार हुआ है। इसी तरह बिहान दीदी गौरी गौरव, पूनम गौतम, चमेली यादव, वंदना केवट, कृष्णा देवी और पीआरपी सावित्री ने कहा कि महतारी सदन का निर्माण केवल एक भवन का निर्माण नहीं, बल्कि हजारों दीदियों के सपनों और आशाओं को पूरा करने वाला सदन है। इस पहल से हम ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास को नई उड़ान मिली है। अब समूह की गतिविधियाँ महतारी सदन में और अधिक सुनियोजित और प्रभावी ढंग से संचालित होंगी। उल्लेखनीय है कि जिले में 19 महतारी सदन स्वीकृत हुए हैं जिनमें से पूर्ण चार महतारी सदन का आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने धमतरी से वर्चुअल शुभारंभ किया।

कलेक्टर-एसपी ने की पशु प्रबंधन कार्य की समीक्षा रात्रि में 10 से 2 बजे तक गश्त बढ़ाने के दिए निर्देश

- अब तक 1 दर्जन पशु मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज
- अधिकाधिक पंचायतों से प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए ताकि इनकी स्थापना कर बेसहारा मवेशियों को आश्रय दिया जा सके

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह ने अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में आवारा पशुओं के प्रबंधन कार्य की समीक्षा की। उन्होंने सड़कों पर से मवेशियों को हटाने और इसके लिए जिम्मेदार पशु मालिकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पिछले दिनों सड़क हादसे में मृत मवेशियों के लिए जिम्मेदार लोगों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी तलब की है। कलेक्टर ने कहा कि आमतौर पर सड़कों पर हादसा रात 10 से 2 बजे तक घटित हुई हैं। इस समय पर टीम ज्यादा जागरूक होकर रात्रि गश्त करें। मवेशी यदि इस दौरान झुण्ड स्वरूप में सड़कों पर बैठे मिलें तो उन्हें उस जगह से हटाकर अन्य सुरक्षित स्थान पर ले जायें। जिन लोगों की ये पशु हैं, उनकी पहचान किया जाये। उनमें टैग लगाकर अथवा ग्रामीणों एवं कोटवार के जरिए मवेशी मालिक की पहचान सुनिश्चित किया जाए। और उन पर तत्काल संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज किया जाये। बताया गया कि अब तक लगभग 1 दर्जन पशु मालिकों के खिलाफ अपराध दर्ज किये गये हैं। कलेक्टर ने इसके लिए ग्रामीणों को जिम्मेदार और जागरूक करने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी एसडीएम, जनपद पंचायत, सीएमओ की बैठक लेकर सड़क हादसा रोकने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अपने-अपने काम की जिम्मेदारी लें तभी हादसों पर लगाम लगेगी। कलेक्टर ने बैठक में गोधाम स्थापना की प्रगति की भी समीक्षा की। अब तक केवल 5 स्थानों से पंचायत प्रस्ताव आये हैं। उन्होंने अधिकाधिक पंचायतों से प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए ताकि इनकी स्थापना कर बेसहारा मवेशियों को आश्रय दिया जा सके। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, एडीएम शिवकुमार बनर्जी, एडिशनल एसपी करियारे सहित सभी एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, पशु चिकित्सा विभाग, आरटीओ, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

घर में इन 4 चीजों को रखने से आती हैं खुशियां

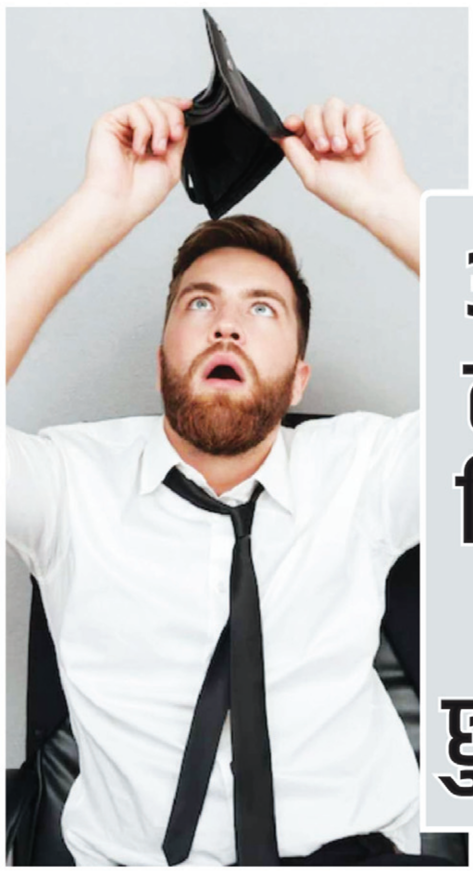

आर्थिक तंगी से मिलता है छुटकारा

वर्तमान में हर कोई सुख-सुविधाओं भरा जीवन बिताना चाहता है। धन कमाने के लिए हर व्यक्ति कड़ी मेहनत करता है। कई बार कुछ लोगों को सफलता प्राप्त हो जाती है, तो कुछ कड़ी मेहनत के बाद भी आर्थिक संकट दूर नहीं कर पाते हैं। हर कोई वास्तु शास्त्र कहता है कि घर में कुछ चीजों को लाने से आर्थिक संकट दूर होता है और मां लक्ष्मी का वास होता है। जानें किन चीजों को घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

<u>भगवान गणेश की मूर्ति-</u> घर में भगवान गणेश की मूर्ति या प्रतिमा रखना बहुत ही शुभ होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, विघ्नहर्ता की कृपा से जीवन की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं और घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है। वास्तु दोष से भी मुक्ति मिलती है।

<u>श्रीफल-</u> वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में श्रीफल या नारियल रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर में नारियल रखना बहुत ही शुभ होता है। कहा जाता है कि नारियल रखने से घर में सुख-संपदा का वास होता है। जीवन में खुशहाली आती है।

<u>शंख-</u> वास्तु शास्त्र कहता है कि घर के मंदिर में शंख रखना बहुत ही शुभ होता है। शंख रखने से घर में पॉजिटिविटी का संचार होता है। शंख रखने से वास्तु दोष दूर होता है और जीवन में खुशहाली आती है।

<u>मां लक्ष्मी व भगवान कुबेर की तस्वीर-</u> वास्तु कहता है कि धन संबंधी परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए घर में मां लक्ष्मी व भगवान कुबेर की मूर्ति या तस्वीर लगानी चाहिए। मान्यता है कि मां लक्ष्मी व भगवान कुबेर की कृपा से जीवन में धन का अभाव नहीं होता है।

पंचतत्व से जुड़े 5 शिवालय

जहां से भोले का भक्त कभी नहीं लौटता खाली हाथ

सनातन परंपरा में भगवान भोलेनाथ की भक्ति का विशेष महत्व बताया गया है। यही कारण है कि हर शिव भक्त न सिर्फ अपने घर में बल्कि देश में स्थित तमाम शिवालयों पर जाकर अपनी कामना के अनुसार औढरदानी शिव की साधना-आराधना करता है। हिंदू धर्म में भगवान द्वादश ज्योतिर्लिंग से जुड़े मंदिरों की तरह पंचतत्व पर आधारित उन 5 शिवालयों का बहुत महत्व माना गया है, जिनके दर्शन मात्र से ही शिव साधक की बड़ी से बड़ी मनोकामना पलक झपकते पूरी हो जाती है। शिव कृपा बरसाने वाले ये 5 पावन धाम कहां हैं और इनकी पूजा का क्या है धार्मिक महत्व आइए इसे विस्तार से जानते हैं।

एकंबरनाथ मंदिर (पृथ्वी तत्व)

पृथ्वी तत्व पर आधारित भगवान शिव का यह चमत्कारी मंदिर तमिलनाडु के कांचीपुरम में स्थित है। आम के पेड़ के नीचे प्रतिष्ठित इस शिवलिंग के बारे में मान्यता है कि इसके दर्शन मात्र से शिव साधक के सभी कष्ट और चिंताएं दूर हो जाती हैं। बालू से बनें एकंबरनाथ शिवलिंग का जलाभिषेक करने की बजाय छींटे देने की परंपरा है। भगवान शिव का यह मंदिर देश के 10 बड़े मंदिरों में से एक है जो कि 23 एकड़ के क्षेत्र में है।

जंबूकेश्वर मंदिर (जल तत्व)

त्रिचिरापल्ली में स्थित जंबूकेश्वर मंदिर को जल तत्व का प्रतीक माना जाता है। मंदिर में प्रतिष्ठित शिवलिंग को स्थानीय लोग अप्पू लिंगम के नाम से पूजते हैं, जिसका अर्थ होता है जल लिंगम। भगवान भोलेनाथ का यह मंदिर भी काफी बड़े क्षेत्र लगभग 18 एकड़ में बना है। इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि कभी यहां पर माता पार्वती ने जल से शिवलिंग निकाल कर महादेव की पूजा की थी।

अरुणाचलेश्वर मंदिर (अग्नि तत्व)

तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में स्थित इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा अग्नि तत्व के रूप में की जाती है। हिंदू मान्यता के अनुसार महादेव के इस मंदिर में दर्शन और पूजन करने पर शिव भक्त के जीवन में छाया अंधेरा दूर होता है और उसे असीम ऊर्जा की प्राप्ति होती है। अरुणाचलेश्वर मंदिर में प्रितिष्ठित शिवलिंग लगभग तीन फिट है। दक्षिण भारत के इस शिव मंदिर में दर्शन के लिए हर दिन बड़ी संख्या में भक्तगण पहुंचते हैं।

कालहस्तीश्वर मंदिर (वायु तत्व)

भगवान शिव का वायु तत्व पर आधारित मंदिर आंध्र प्रदेश के जिला चित्तुर के काला हस्ती क्षेत्र में स्थित है। उंची पहाड़ी पर बने भगवान शिव के इस मंदिर को शिव भक्त दक्षिण का कैलाश कहकर बुलाते हैं। कालहस्तीश्वर मंदिर के भीतर प्रतिष्ठित शिवलिंग की उंचाई लगभग चार फिट है। इस शिवलिंग को वायु लिंग या कर्पूर लिंगम के नाम से भी जाना जाता है। इस शिवलिंग पर न तो जल चढ़ाया जाता है और न ही इसका स्पर्श किया जाता है।

नटराज मंदिर (आकाश तत्व)

भगवान शिव का आकाश तत्व पर आधारित मंदिर तमिलनाडु के चिदंबरम शहर में स्थित है। दक्षिण भारत के इस मंदिर को थिल्लई नटराज मंदिर के नाम से जाना जाता है, जहां पर भगवान शिव की नृत्य करते हुए मूर्ति के दर्शन होते हैं। पंचतत्वों पर आधारित मंदिरों में सिर्फ यही एक मंदिर है जहां पर भगवान शिव की लिंग की बजाय मूर्ति या फिर कहें साकार रूप की पूजा होती है।

बारिश के मौसम में कौन सी सब्जियां खानी चाहिए ?

बारिश के मौसम की सब्जियांः बारिश में कौन-कौन सी सब्जियां आती हैं। आपसे अगर हम ये सवाल पूछ लें तो थोड़ी देर आप भी सोच में आ जाएंगे। इसके पीछे एक कारण ये है कि बारिश में सब्जियों की कमी को लेकर हमारे दिमाग में पहले से ही कुछ बाते हैं। जैसे इस मौसम की सब्जियां गली और सड़ी होती हैं। महंगी होती हैं और इनमें कीड़े होते हैं, लेकिन ये तमाम चीजें के इतर एक फैक्ट ये भी है कि बारिश में कई प्रकार की सब्जियां हमारे खेतों में उगती हैं बस बाजार तक उनकी पहुंच में दिक्कत होने की वजह से ये मंहगी हो जाती हैं या पहुंचते-पहुंचते सड़ जाती हैं। पर इसका अर्थ ये नहीं है कि बारिश में सब्जियां नहीं होती इसलिए हमें दालों का सेवन करना चाहिए। तो, आइए जानते हैं इन सब्जियों के बारे में।

खरीदने से पहले देख लें

1. बीन्स

बारिश के मौसम में खेतों में बीन्स आ जाती हैं। दरअसल, बीन्स लता वाली सब्जियों में आता है और इन्हें खाना आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। दरअसल, ये जमीन से ऊपर रहते हैं और इसलिए बारिश में बचे हुए रह जाते हैं। आप बीन्स को सब्जी, भजिया और पुलाव में इस्तेमाल कर सकते हैं।

2. लोबिया

लोबिया एक फलीदार सब्जी है और बारिश के मौसम में आपको ये आराम से मिल जाएंगी। आप इसे आराम से बना खा सकते हैं। इसके प्रयोग आप सूप से लेकर सब्जी तक में कर सकते हैं। ये सेहत के लिए भी अच्छा है।

3. भींडी

भींडी को लेकर कुछ लोगों को मत ये है कि ये गर्मी वाली सब्जी है लेकिन, क्या नहीं है। भींडी आपको इस बरसात के मौसम में भी मिल जाएगी। भींडी को आप कई प्रकार की सब्जियों में इस्तेमाल कर सकते हैं।

4. करेला

करेला आपको इस मौसम में भी मिल जाएगा। दरअसल, ये भी लता वाली सब्जियों में आता है और आप इसे अपने घरों में भी लगा सकते हैं। ये डायबिटीज से लेकर दिल के मरीजों तक के लिए फायदेमंद है। तो, इस मौसम में कुछ न मिले तो करेला खाएं।

5. चौलाई

चौलाई का सेवन आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। ये हड्डियों से जुड़ी समस्याओं वालों के लिए भी फायदेनमंद है। तो, आप चौलाई का साग बनाएं, पकौड़ी खाएं और इसे आलू के साथ मिलाकर सब्जी बनाएं।

6. सफेद पेठा

सफेद पेठा, आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। इन्हें वेट लॉस करने वाले ज्यादा खाते हैं। आप इससे सब्जी, रायता और फिर पेठा भी बनाकर खा सकते हैं। तो, इस मौसम में आप इस सब्जी को आराम से खाएं।

7. तुरई

तुरई आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। ये पानी से भरपूर सब्जी इस मौसम में आपको आरान से मिल जाएगी। तो, बाजार जाएं तो इन सब्जियों का ज्यादा चुनाव करें। ये बाकी तुलना में सस्ते हो सकते हैं और इन्हें खाना भी फायदेमंद हो सकता है।

बड़े सपनों को पूरा करने के लिए यूं बढ़ाएं फोकस

मिलेगी सफलता

हर कोई अपने लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने के लिए तमाम सपनों को देखता है। इन सपनों को पूरा करने के लिए लक्ष्य को निर्धारित करना बहुत ही जरूरी होता है। बहुत से लोग लक्ष्य तो निर्धारित कर लेते हैं लेकिन उस पर फोकस नहीं कर पाते हैं। इस वजह से लक्ष्य को पाना उनके लिए मुश्किल भरा होता है। कई बार बहुत कोशिश के बाद भी लोग अपने लक्ष्य पर फोकस नहीं कर पाते हैं और हमेशा उनका ध्यान भटकता रहता है। ऐसे में यहां कुछ तरीके बता रहे हैं जो फोकस रहने में आपकी मदद करेंगे।

अच्छे से करें दिन की शुरुआत

सुबह सबसे पहले भरपूर हरी सब्जियां, अच्छे और कम फैट वाले प्रोटीन नाश्ता खाकर दिन शुरू करें। दिन भर के लिए अपने लक्ष्यों पर ध्यान लगने के लिए मेडिटेशन करने का रूटीन बनाएं। इसी के साथ एक्सरसाइज के लिए भी सुबह का समय सबसे अच्छा होता है। ऐसा करने पर ब्लड पंप होता है जिससे आपको ज्यादा एनर्जी मिलती है पूरे दिन ध्यान लगा रहने में मदद मिलती है।

एक मंत्र सेट करें

मंत्र आपके दिमाग को फिर से स्थापित करने और ध्यान लगाए रखने का एक शक्तिशाली तरीका है। आप इसे अपने मुताबिक सेट कर सकते हैं बस रोजाना इसे जोर से और उत्साह से कहें। ऐसा करने पर आपको फोकस जरूर बढ़ेगा।

मल्टीटास्क न करें

मल्टीटास्क करने पर आप कई काम खराब तरीके से कर रहे होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि हर बार जब हम काम बदलते हैं, तो हमारा थोड़ा सा ध्यान पीछे रह जाता है। इससे ध्यान भटकता है।

प्लान बनाएं

रोजाना प्लान की लिस्ट बनाना और यह सोचना कि आप इस काम को पूरी कर लेंगे, ये सही नहीं है। अपने लक्ष्यों को महीने, हफ्ते और दिन के आधार पर डिवाइड करें। ऐसा करने पर लक्ष्य पाना आसान हो सकता है।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं ये चीजें

मानसून में खिला-खिला रहेगा चेहरा

मानसून के मौसम में स्किन का चिपचिपा होकर डल दिखना काफी कॉमन है। हालांकि, इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए करना ये हैं कि एक सही स्किन केयर रूटीन को जानें। वैसे तो स्किन केयर के लिए आपको अपनी स्किन क्वालिटी पता होनी चाहिए। हालांकि, सभी स्किन केयर में स्टेप्स सेम ही होते हैं। मानसून में अगर आप खिली-खिली स्किन चाहती हैं तो रात में सोने से पहले इन स्टेप्स को फॉलो करें।

ग्लोइंग स्किन के लिए क्या लगाएं

क्लीनिंग- सोने से पहले अपने चेहरे को अच्छे से साफ करें। आंखों पर मेकअप किया है तो पहले ऑयल मसाज करने के बाज कॉटन से साफ करें और फिर चेहरे को धोएं। चेहरा साफ करने के लिए आप दूध का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

टोनर- अपने चेहरे को अच्छे से साफ करने के बाद इसपर टोनर का इस्तेमाल करें। ये स्किन को अच्छी तरह से साफ करने में मदद करेगा। टोनर की मदद से पोर्स तो साफ होते ही हैं, बल्कि उसका साइज बढ़ा होने से रोकने और उन्हें मिनीमाइज करने में भी मदद करते हैं। फेस टोनर की जगह आप गुलाब जल का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

फेस मास्क- चेहरे को अच्छे से साफ करने के बाद अगर आप सीरम का इस्तेमाल करती हैं तो उसे लगाएं। या फिर एलोवेरा जेल की एक पतली लेयर को भी आप चेहरे पर लगा सकती हैं। एलोवेरा जेल स्किन की कई तरह की परेशानियों से निपटने में आपकी मदद कर सकता है।

घरों में फैली गंध से हैं परेशान

इन टिप्स से महक उठेगा कोना-कोना

बरसात में घरों के भीतर नमी और सीलन से दुर्गन्ध की समस्या फैल जाती है। कोई गेस्ट आ जाए तो बड़ी शर्मिन्दगी सी महसूस होती है। बरसात में सबसे बड़ी समस्या घरों में गीले कपड़ों को पसारने और सुखाने की होती है। कई लोग घरो में ही बालकनी, आंगन या फिर कमरे में ही कपड़ों को पसारते हैं। इस कारण नमी और सीलन से घर के हर कोने में बदबू फैल जाती है। गीले और नम कपड़ों, भींगे जूतों, अलमारी,रसोई से अजीब सी गंध उत्पन्न होती है।

बारिश में घरों में फैली दुर्गन्ध को ऐसे करें दूर :
सही वेंटिलेशन नहीं होना और सूरज की रोशनी की कमी इस बासी गंध का मुख्य कारण है। इसके अलावा, फफूंदी और फफूँद के धब्बे सेहत के लिए नुकसानकारी होने के साथ घरों की रौनक भी खराब कर देते हैं। इस दुर्गन्ध से निजात पाने का सबसे बढ़िया तरीका है कि जितना संभव हो सके घर को सूखा और हवादार बनाएं। जब भी बारिश बंद हो और धूप खिली हो तो कपड़ों को हवा में रखना और सुखाना बेहतर होगा। अलमारियों में कपड़े और जूते गीले ना रहें इसका ध्यान रखें। बढ़ती नमी के साथ, लकड़ी के दरवाजों के अंदर और कपड़ों पर भी फफूंद के धब्बे दिखाई दे सकते हैं। नीम का तेल, सूखे नीम के पत्ते, सफेद सिरका, बेकिंग सोडा, और कुछ आवश्यक तेल सफाई के साथ दुर्गन्ध दूर करने में बहुत असरदार हैं । लकड़ी के दरवाजों को सिरके या नीम के तेल के घोल से साफ किया जा सकता है। बेकिंग सोडा, सूखे नीम

के पत्तों का पैकेट अलमारी में रख सकते हैं। नेप्थलीन की गोलियों को अलमारी में रख सकते हैं। पसंदीदा सुगंध वाली मोमबत्तियों और अगरबत्तियों के इस्तेमाल से खुशबू फैला सकते हैं। किचन हो या घर का कोई भी कोना कचरा जमा ना होने दें। बाथरूम की नियमित सफाई करें। घर में रोज धूप या कपूर जलाने से बदबू खत्म हो जाती है।

मानसून में डेंगू और मलेरिया का खतरा, ऐसे बढ़ाएं ब्लड प्लेटलेट्स

मानसून ने पूरे भारत में चिलचिलाती गर्मी से राहत तो दिला दी है, लेकिन इसके साथ ही डेंगू का खतरा भी काफी बढ़ गया है, क्योंकि इस मौसम में मच्छरों का लार्वा तेजी से बढ़ता है। हर साल डेंगू बुखार से कई लोगों की मौत हो जाती है। इस बीमारी में ब्लड प्लेटलेट काउंट तेजी से गिरता है। अगर आपको भी यह समस्या है तो कुछ पौधों का रस राहत दिलाने वाला साबित हो सकता है।

डेंगू कैसे फैलता है?

डेंगू एक संक्रामक रोग है जो एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। चूंकि इसके शरीर पर सफेद धारियां होती हैं इसलिए इसे 'टाइगर मॉस्किटो' भी कहा जाता है। इस मच्छर का लार्वा साफ पानी में पनपता है और यह दिन में काटता है। डेंगू का मच्छर डंक मारकर अपना वायरस इंसान के शरीर में फैलाता है, फिर जब यह किसी दूसरे स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो उसका शरीर भी संक्रमित हो जाता है। आमतौर पर यह 16 से 30 डिग्री तापमान पर अधिक बढ़ता है इसलिए बरसात का मौसम इसके प्रजनन के लिए उपयुक्त होता है।

डेंगू बुखार में प्लेटलेट काउंट गिर जाता है

एक स्वस्थ व्यक्ति में प्रति माइक्रोलीटर रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या 1,50,000 से 2,50,000 के बीच होती है, लेकिन जब टाइगर मच्छर के काटने के बाद बुखार आता है, तो यह संख्या आमतौर पर 1 लाख से अधिक हो जाती है और प्लेटलेट कम हो जाता है, जिससे जान का खतरा बढ़ जाता है।

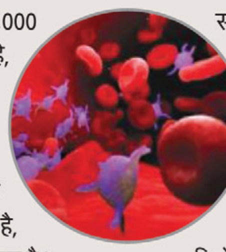

डेंगू होने पर पियें ये 2 जूस

1) पपीते के पत्तों का रस

जब भी आपको या आपके परिवार के किसी सदस्य को डेंगू बुखार हो और प्लेटलेट काउंट कम हो जाए तो पपीते के पत्तों का रस निकालकर पिएं, जल्द ही फायदा होगा।

2) गिलोय का रस

गिलोय एक ऐसा पौधा है जिसे अगर आयुर्वेद का वरदान कहा जाए तो शायद गलत नहीं होगा। डेंगू बुखार बढ़ने पर तुरंत इसका जूस निकालकर पी लें, इससे प्लेटलेट्स काउंट तेजी से बढ़ता है और ठीक होने में भी आसानी होती है।

डेंगू से बचने के उपाय

बरसात के मौसम में गमले, नारियल के छिलके, टायर और पक्षियों के लिए रखे गए बर्तनों जैसी चीजों में पानी जमा न होने दें। इसके अलावा समय-समय पर कूलर का पानी बदलते रहें या फिर उसमें 2 चम्मच मिट्टी का तेल डाल दें। पानी की टंकी खुली रखने पर भी उसमें डेंगू के मच्छर पनपने लगते हैं।

कृषि अधिकारी संघ ने 9 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया

मानस भवन से रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे यहाँ उन्होंने ज्ञापन सौंपा

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ ने 9 सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को दुर्ग जिले में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया । जिसका नेतृत्व जिला अध्यक्ष अमित कुमार वर्मा ने किया।

धरना प्रदर्शन के पश्चात कृषि अधिकारी संघ ने मानस भवन से रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे यहाँ उन्होंने अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जिसमें 9 सूत्रीय मांगों का उल्लेख किया गया था. इनकी 9 सूत्रीय मांगों मुख्य रूप से तकनीकी वेतनमान 4300 ग्रेड पे, मासिक स्थाई भत्ता वृद्धि कर ?2500 करने, संसाधन भत्ता मोबाइल इंटरनेट लैपटॉप स्टेशनरी, अतिरिक्त प्रभार क्षेत्र हेतु अतिरिक्त क्षेत्र भत्ता, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी का पद नाम संशोधन कर कृषि विस्तार अधिकारी करने, गैर विभागीय कार्यों में ड्यूटी न लगाए जाने, आदान सामग्री का समितियो में भंडारण एवं भुगतान हेतु डीबीटी प्रणाली लागू करने सहित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को तत्काल प्रारंभ करने बाबत थी। इस दौरान मीडिया से वर्मा ने कहा कि कृषि स्नातक अधिकारियों की लंबे समय से लंबित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर राज्य सरकार का ध्यानाकर्षण कराया जा रहा है। हमारी मांगें न केवल कृषि अधिकारियों के हित में हैं बल्कि प्रदेश के किसानों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि सरकार शीघ्र ही हमारी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में विकासखंड अध्यक्ष दुर्ग कामाक्षी त्रिवेदी विकासखंड अध्यक्ष पाटन प्रमेश साहू विकासखंड अध्यक्ष धमधा तिलेन्द्र साहू एवं जिलेभर से बड़ी संख्या में कृषि अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

जोहर छत्तीसगढ़ ने राज्य सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

लालटेन लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे, बढ़े हुए बिजली बिल का किया विरोध, धरना प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। बढ़े हुए बिजली बिल,विद्धुत कटौती से परेशान ग्रामीणों ने जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी के बैनर तले राज्य सरकार के खिलाफ हिंदी भवन संभाग कार्यालय के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर रैली निकाली।

बिजली बिल हाफ योजना समाप्त किए जाने से आम जनता को अतिरिक्त भार वहन करना पड़ रहा है.कांग्रेस शासनकाल में जो योजना प्रारंभ की गई थी उस को योजना छत्तीसगढ़ सरकार समाप्त कर दिया है.जिससे विपक्ष सहित कई पार्टी नाराज है .और राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

इसी कड़ी में मंगलवार को जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी दुरुग ने नारेबाजी करते हुए जमकर प्रदर्शन किया।

सैकड़ो की तादात में धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार की नीतियों को गरीब विरोधी बताया .इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए जोहर छत्तीसगढ़ के जिलाध्यक्ष राहुल वर्मा ने कहा कि हमारा धरना छत्तीसगढ़ सरकार को जगाने के लिए है.अगर सरकार हमारी मांगें पूरी नहीं करती तो, जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी उग्र आन्दोलन के लिए बाध्य होगा।

इसी तरह पार्टी के अन्य पदाधिकारी राजेश्वर वर्मा ने कहा कि जिस राज्य में बिजली का उत्पादन हो रहा है वहां विद्धुत कटौती और बढ़े हुए बिजली के बिल से आम नागरिक परेशान है।

इसलिए हम लोगों से अपील करते है कि हमारे आन्दोलन में सहयोग करे.आपको बता दें प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने लालटेन लेकर कलेक्ट्रेट तक नारेबाजी करते हुए रैली निकाली और यहाँ ज्ञापन सौंपा।

नशीले टेबलेट के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

आरोपी पेशे से ट्रक ड्राइवर, आरोपी के कब्जे से प्रतिबंधित नशीली जप्त

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान ÷ऑपरेशन विश्वास÷ के अंतर्गत लगातार कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत मंगलवार को पुलगांव पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर आरोपी कुलविंदर सिंह को प्रतिबंधित नशीली टेबलेट की बिक्री करते हुए रसमडा में भदौरिया पेट्रोल पम्प के पास पकड़ा है । उसके कब्जे से अल्प्राजोलम टेबलेट को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की है।आरोपी के पास से नशीली टेबलेट के साथ ही एक मोबाइल एवम एक ट्रेलर को भी जप्त किया गया है। आरोपी पेशे से ट्रक ड्राइवर है जो रायपुर से सामान लेकर विभिन्न राज्यों में जाता है।इस बार ट्रेलर में सामान लेकर आंध्रप्रदेश गया था जहाँ पर से वह नशीली टेबलेट लेकर आ रहा था उसी दौरान पुलगांव पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर आरोपी को पकड़ा है।

मन्नत पूरी करने मां बमलेश्वरी दर्शन के लिए पैदल डोंगरगढ़ जा रही युवती की सड़क हादसे में मौत

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। भिलाई से अपनी मन्नत पूरी करने मां बमलेश्वरी के दर्शन के लिए पैदल डोंगरगढ़ जा रही युवती की मंगलवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। नेशनल हाईवे रोड पर सोमानी थाना क्षेत्र राजनांदगांव में सुबह 8:30 बजे के करीब तेज रफ्तार वाहन ने युवती को कुचल दिया।

पुलिस मिली जानकारी के मुताबिक महिमा साहू उम्र 20 साल पिता चंद्रहास साहू को सोमनी थाना क्षेत्र अंतर्गत राजनांदगांव मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार एक थार गाड़ी ने कुचल दिया। इस हादसे में महिमा गंभीर रूप से घायल हो गई थी जिसे इलाज के लिए सेक्टर 9 अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

महिमा के परिजन ने बताया कि सड़क हादसे के बाद थार चालक जिसका नंबर सीजी 04 क्यूसी 8007 है वह फरार हो गया। घटना की सूचना साथ गए पदयात्रियों ने परिजनों को दी। परिजन तत्काल राजनंदगांव सोमानी पहुंचे। वहां से महिमा को इलाज के लिए सेक्टर-9 अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

महिमा के परिजन ने बताया कि महिमा मेधावी छात्रा रही है।आठ महीने पहले ही सरकारी नौकरी लगी थी।

सरकारी नौकरी लगने पर मां बमलेश्वरी डोंगरगढ़ की पदयात्रा करके दर्शन करने की मन्नत मानी थी। इसी मन्नत को पूरी करने के लिए वह सोमवार रात को घासीदास नगर निवास से पदयात्रा के लिए निकली थी।जो थाना सोमनी राजनांदगांव में हादसे का शिकार हो गई।

कुम्हारी नगर पालिका में सफाई मित्रों हेतु स्वास्थ्य शिविर एवं आवास योजना रजिस्ट्रेशन

कुम्हारी। नगर पालिका परिषद कुम्हारी द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी की अध्यक्षता एवं माननीय अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में, सामुदायिक भवन वार्ड क्रमांक 6 में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, गैर-शासकीय एवं सामाजिक संगठन तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

शिविर में सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति के बीच नगर पालिका के सफाई मित्रों का शुगर, बीपी, एचबी सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। इस शिविर की खास बात रही कि जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सफाई मित्रों के लिए विशेष रूप से सिकलिन जांच हेतु सिकल सेल टेस्ट कैंप आयोजित किया। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंगीकार अभियान-2025 के अंतर्गत स्पेशल फोकस ग्रुप सफाई मित्रों को आवास योजना का लाभ दिलाने हेतु रजिस्ट्रेशन भी किया गया।

इस अवसर पर जिला समन्वयक गौरव केशरवानी सहित समस्त विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

पाटन-मोतीपुर मार्ग पर उगी कंटीली झाड़ियां, बढ़ रहा हादसों का खतरा, विभाग मौन

पाटन। पाटन से झीट मोतीपुर पहुंच मार्ग पर किनारों पर उगी कंटीली झाड़ियां राहगीरों के लिए मुसीबत बन गई हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा लंबे समय से इनकी सफाई नहीं करवाई गई, जिसके चलते लोग आए दिन हादसों का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय लोग विभाग की चुप्पी को लेकर नाराज हैं और सवाल उठा रहे हैं कि क्या विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

युवक बाल-बाल बचा हादसे से- आज सुबह पाटन की ओर से आ रहे एक बाइक सवार युवक की कंटीली झाड़ियों से टकराने पर सड़क पर गिरने से बड़ी दुर्घटना होते-होते टल गई। यह घटना शासकीय शराब दुकान के आगे और आईटीआई के पास हुई। दोनों ओर से वाहन आने के कारण युवक झाड़ियों में उलझकर सड़क पर गिर पड़ा। राहगीरों ने उसे उठाया और उसके बैग में रखा सामान सड़क पर बिखर गया।

सफाई न होने से खतरा-स्थानीय लोगों का कहना है कि झाड़ियों की सफाई होने से लोगों को काफी राहत मिलेगी, खासकर त्यौहार के समय जब सड़क पर आवाजाही बढ़ जाती है। सफाई न होने से मोटर सवार और पैदल यात्री लगातार खतरे का सामना कर रहे हैं।

विभाग का वर्जन

इस मामले पर एसडीओ पाटन ने कहा - निरीक्षण करवा कर साफ -सफाई करवा दी जाएगी।

डोंगरगढ़ माँ बमलेश्वरी दर्शन के लिए निकले पदयात्री

यातायात पुलिस ने किया सहायता और सुरक्षा का इंतजाम

कुम्हारी से अंजोरा बाईपास तक 24 घंटे पेट्रोलिंग

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। डोंगरगढ़ माँ बमलेश्वरी दर्शन के लिए जाने वाले पदयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रूकने एवं सहायता हेतु पदयात्रा मार्ग पर आठ स्थानों पर अस्थाई पुलिस सहायता केंद्र बनाया गया है. यहाँ पीने का पानी, रुकने की व्यवस्था, और जरूरी सूचना देने के लिए सिस्टम लगाए गए हैं, यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा ऐसे स्थान जहां पर सर्विस रोड नहीं है उन स्थानों पर स्टॉपर एवं बांस बल्ली की सहायता से अलग मार्ग बनाया गया है, इसके अलावा पदयात्रियो के पीठ व बैग में रेडियम स्टीकर लगाया जा रहा है ताकि रात के समय वाहन चालको को पदयात्री आसानी से दिखाई दे सके जिससे अप्रिय दुर्घटना से बचा जा सकें साथ ही पदयात्रियों के लिए रूट चार्ट एवं सर्विस रोड में बाएं चलने हेतु विभिन्न स्थानों पर फ्लेक्स भी लगाया गया है।और जिन स्थानों पर लाइट की व्यवस्था नहीं है या फिर लाइट खराब है संबंधित विभाग से आवश्यक सुधार कार्य करवाया जा रहा है,।पदयात्री मार्ग में यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा हेलमेट की उपयोगिता एवं यातायात नियम संबंधित फ्लेक्स भी लगाए गए हैं।

नवरात्रि के दौरान डोगरगढ जाने वाले वाहन चालको की भीड़ को देखते हुए नेशनल हाईवे में वाहनो की रफ्तार कम करने हेतु ड्रम एवं स्टापर से विभिन्न स्थानो पर जिक-जेग बनाया गया है। इसके अतिरिक्त यातायात पुलिस ने 04 हाईवे पेट्रोलिंग के साथ 04 नवरात्रि पेट्रोलिंग को भी तैनात किया है. जो पदयात्री मार्ग कुम्हारी से अंजोरा बाईपास तक 24 घंटे निरंतर अपने अपने क्षेत्र में पेट्रोलिंग करते रहेगें।

नशा मुक्ति थीम पर हुआ मैराथन, रजत जयंती के अवसर पर समाज कल्याण विभाग का आयोजन

दुर्ग। रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक जिले में सेवा पखवाड़ा दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत आज नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत नशामुक्ति थीम पर मैराथन कार्यक्रम का आयोजन महात्मा गांधी चौक हिन्दी भवन के सामने दुर्ग में जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के द्वारा किया गया। जिसमें लगभग 200 छात्र/छात्राएं सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का प्रारंभ महात्मा गांधी जी की पूजा अर्चना, दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया।

उसके पश्चात् मैराथन दौड़ में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को उपस्थित जनप्रतिधियों एवं अधिकारियों द्वारा हरी झण्डी दिखाकर मैराथन दौड़ को रवाना किया गया। यह मैराथन दौड़ महात्मा गांधी चौक से नगर पालिक निगम दुर्ग होते हुए पुनः वापिस महात्मा गांधी चौक में समाप्त हुआ। उक्त अवसर पर सम्मिलित छात्र/छात्राओं को नशामुक्ति पर आधारित स्लोगन मय टी-शर्ट वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रुप से वेदनारायण चन्द्राकर, पार्षद, लीलाधर पाल, पार्षद एवं मेयर इन कॉउंसिलिंग मेंबर, सुमीत अग्रवाल, आयुक्त, नगर पालिक निगम दुर्ग, उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग दुर्ग के अधिकारी, ए.पी. गौतम, मती शुक्ला मेम, जिला शिक्षा विभाग दुर्ग, तरुण साहू, साइंस कॉलेज दुर्ग तथा समाज कल्याण विभाग दुर्ग के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में नशीले पदार्थो एवं मादक द्रव्यों के दुष्प्रभाव की जानकारी प्रदाय करते हुए ड्रग डिमांड की रोकथाम एवं इसमें कमी लाने संबंधी जानकारी प्रदाय करते हुए समस्त प्रकार के नशीली वस्तुओं एवं मादक द्रव्यों से दूर रहते हुए लोगों में जनजागरुकता प्रचारित-प्रसारित कर स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज निर्माण करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में नशामुक्ति हेतु शपथ दिलायी गई।

धन धन गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी पर्व पर छत्तीसगढ़ में उमड़ा श्रद्धा और भाईचारे का सैलाब

शहीदी पर्व की गूंज : भिलाई–दुर्ग में पहुंचा ऐतिहासिक नगर कीर्तन

भिलाई/दुर्ग। शहीदां दे सरताज, धन धन गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी पर्व के उपलक्ष्य में निकला ऐतिहासिक नगर कीर्तन रविवार को छत्तीसगढ़ पहुँचा। असम के धुबरी स्थित पावन गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ हुआ यह नगर कीर्तन सुबह 10:15 बजे भिलाई के कुम्हारी टोल प्लाजा पहुँचा, जहाँ छत्तीसगढ़ सिख पंचायत भिलाई एवं यूथ सिख सेवा समिति ने संगत सहित बड़े हर्षोल्लास से स्वागत किया।

श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम-नगर कीर्तन कुम्हारी से आगे बढ़ते हुए चरोदा, खुर्सीपार, पावर हाउस, सुपेला घड़ी चौक और नेहरू नगर चौक से होता हुआ दुर्ग पहुँचा। हर पड़ाव पर श्रद्धालुओं ने गुरु ग्रंथ साहिब के पावन स्वरूप के दर्शन कर 10-10 मिनट तक नाम सिमरन व कीर्तन में भाग लिया। इस दौरान वातावरण वाहेगुरु-वाहेगुरु के स्वर से गूंजता रहा।

भाईचारे और मानवता का संदेश-यूथ सिख सेवा समिति भिलाई ने इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि यह आयोजन न केवल सिख इतिहास की अमर गाथा को स्मरण कराता है, बल्कि समाज को भाईचारे, त्याग और मानवता का भी संदेश देता है।

समाज के गणमान्य और सिख संगत रही उपस्थित-इस अवसर पर यूथ सिख सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रत सिंह छोटू, कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, महासचिव जसवंत सिंह सैनी, सचिव हरपाल सिंह सहित समिति के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। वहीं सिख पंचायत भिलाई से अध्यक्ष जसवीर सिंह चहल, वाइस चेयरमैन गुरमीत सिंह गांधी, पलविंदर सिंह रंधावा, हरभजन सिंह चहल, गुरमीत सिंह चहल, अरविंदर सिंह खुराना, सिकंदर सिंह, जसवीर सिंह सैनी, बीबी कुलवंत कौर, सतवंत सिंह, इंद्रत सिंह चावला सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ लोग शामिल हुए। वाहेगुरु का खालसा, वाहेगुरु की फतेह-नगर कीर्तन ने पूरे दुर्ग-भिलाई क्षेत्र को श्रद्धा, समर्पण और भक्ति के रंग में रंग दिया।

लोकतंत्र प्रहरी की टीम ने किया बीएसपी के ऑफिसर एसोसिएशन अध्यक्ष बंछोर का सम्मान

बीएसपी के ऑफिसर एसोसिएशन (ओए) के चुनाव में नरेंद्र कुमार बंछोर पांचवीं बार अध्यक्ष चुने गए है। लगातार तीन बार जीतने के बाद चौथी बार उनके खिलाफ कोई भी चुनाव लड़ने मैदान में आया ही नहीं था। इस बार वे फिर बड़े मार्जिन से चुनाव जीते हैं।इस अवसर पर विजय यचुरी (भूतपूर्व यूनियन अध्यक्ष, एसबीआई),विष्णु पाठक(पूर्व विधायक प्रतिनिधि रिसाली),रमेश गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं लोकतंत्र प्रहरी अखबार एवं न्यूज चैनल के प्रमुख संपादक एवं एस.आर. हॉस्पिटल के चेयरमैन संजय तिवारी अपनी टीम के साथ (ओए) दफ्तर में पहुंचकर अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर का स्वागत व सम्मान किया।

(लोकतंत्र प्रहरी-फोटो-नाहीद शेख)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com